वर्ष : 16 ❖ अंक : 306 ❖ पृष्ठ : 08 ❖ मूल्य : ₹ 3.00 ❖ आरएनआई सं. SIKHIN/2006/17890 ❖ www.anugamini.com

सिक्किम से प्रकाशित प्रथम हिन्दी दैनिक

अनुगामिनी

गंगटोक
रविवार, 19 जून 2022

'पहले प्रहार फिर विचार' ठीक नहीं : वरुण गांधी 3

पीएम मोदी ने पावागढ़ के मंदिर पर 500 साल बाद फहराई पताका 8

सीएम ने की दीक्षांत समारोह की अध्यक्षता

अनुगामिनी का.सं.

गंगटोक, 18 जून । मुख्यमंत्री प्रेम सिंह तमांग (गोले) ने आज करमाई श्री नालंदा इंस्टीट्यूट ऑफ बुद्धिस्ट हायर स्टडीज, रुम्तेक में गोशिर ग्याछसाब रिम्पोचे की मौजूदगी में संस्थान के 5वें दीक्षांत समारोह की अध्यक्षता की।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने 206-2021 बैच के कुल 80 विद्यार्थियों को आचार्य/शास्त्री, ग्रेजुएशन डिग्री प्रमापत्र प्रदान किये।

दीक्षांत समारोह में तुल्कु दोपेन दिचेन रिम्पोछे एवं मंत्री सोनम लामा, केएन लेप्चा, एमएन शेरपा के अलावा पूर्व मंत्री ओटी लेप्चा, रुम्तेक के विधायक एसटी वेंचुंग्पा, सम्पूर्णानन्द विश्वविद्यालय के प्रोफेसर हरिपद अधिकारी, संगठन निदेशक काइसांग नीमा रिम्पोछे, प्रोफेसर, शिक्षक, विद्यार्थी और अन्य लोग मौजूद रहे।

सभी बेघरों को आवास देना चाहती है एसकेएम सरकार : मंत्री शर्मा

मधु शर्मा

गेजिंग, 18 जून । गेजिंग नगर पंचातय के 20 लाभार्थियों को सिक्किम सरकार के कृषि मन्त्री तथा इसी निर्वाचन क्षेत्र के विधायक लोकनाथ शर्मा ने सिक्किम शहरी गरीब आवास योजना का अलाटमेंट गेजिंग के सामुदायिक भवन में आयोजित एक कार्यक्रम में वितरित किया।

मन्त्री शर्मा के साथ नगर पंचायत अध्यक्ष देवेन्द्र शर्मा, पार्षद, कार्यकारी अधिकारी गोपाल शर्मा, सिक्किम क्रान्तिकारी मोर्चा के वरिष्ठ कार्यकर्ता लाभार्थियों के साथ स्थानीय नागरिकों की उपस्थिति थी। कार्यक्रम के पहले चरण में गेजिंग नगर पंचायत के कार्यकारी अधिकारी गोपाल शर्मा ने स्वगत संबोधन में बताया कि शहरी क्षेत्र के गरीब परिवारों को वर्तमान सरकार ने पक्का घर निर्माण करने की सोच के साथ कार्यक्रम शुरू किया है।

मुख्य अतिथि के रूप में बोलते हुए मंत्री शर्मा ने कहा कि वर्तमान सरकार के साथ ही मुख्यमन्त्री प्रेम सिंह तमांग (गोले) शहरी क्षेत्र में रहने वाले बेघर लोगों के लिए पक्का घर बनाने के उदेश्य से योजना की शुरुआत की है। इससे निचले तबके के लोगों को लाभ हो रहा है। उन्होंने इस योजना के लिए मुख्यमंत्री के प्रति आभार भी प्रकट किया।

इसके साथ ही उन्होंने कहा कि पूर्व की सरकार में शहरी क्षेत्र की अनदेखी की गई थी, लेकिन वर्तमान सरकार उन्हें सभी प्रकार के सहूलियत प्रदान कर रही है। उन्होंने कहा कि पहले केवल अलाटमेंट मिलते थे अब इसके आधार पर घर भी प्रदान किए जा रहे हैं। जितने अलाटमेंट वितरित किए गए हैं उन्हें एक साल में पूरा किया जाएगा। उन्होंने बताया कि इस विधानसभा क्षेत्र में गरीब आवास योजना के तहत एक सौ घरों का एलाटमेंट वितरित किया गया था इनमें से 98 को पूरा कर लिया गया है।

मन्त्री शर्मा ने कहा कि वर्तमान सरकार कथनी से अधिक भन्दा करनी में विश्वास करती है। उन्होंने लोगों से इस सरकार की छोटी अवधि में किए गए कार्यों का मूल्यांकन करने का आग्रह किया। उन्होंने अनुमोदित घरों का निर्माण कार्य समय पर पूरा करने का विभाग को निर्देश दिया।

हमारी सरकार चाहती है कि गरीब लोग भी पक्के घरों में सुख के साथ जीवन यापन करें। उन्होंने वर्तमान सरकार के तीन वर्ष के कार्यकाल में किए गए कार्यों के बारे में भी जानकारी दी।

राज्य के लोगों ने स्वतंत्रता का अधिकार खो दिया है : चामलिंग

अनुगामिनी का.सं.

गंगटोक, 18 जून । आज सिक्किम डेमोक्रेटिक फ्रंट (एसडीएफ) के अध्यक्ष पवन चामलिंग ने पश्चिम सिक्किम का दौरा किया। दौरे के पहले चरण में, उन्होंने अपने परिवार और पार्टी के साथियों के साथ रोलू मंदिर में पूजा की और सिक्किम और सिक्किम के लोगों की सुरक्षा और कल्याण के लिए प्रार्थना की।

उसके बाद, पवन चामलिंग लेखक और लिम्बू भाषा साहित्य के विद्वान दिवंगत बी.बी. मुरिंगला के आवास पर गए और शोक संतप्त परिवार के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त की। पवन चामलिंग ने बी.बी. मुरिंगला को सिक्किम और सिक्किमी समुदाय में उनके योगदान के लिए श्रद्धांजलि अर्पित की।

उन्होंने लिंगचोम निवासी दिवंगत हस्तमान सुब्बा के परिवार के प्रति भी संवेदना व्यक्त की।

पश्चिम सिक्किम के अपने दौरे के दौरान, एसडीएफ अध्यक्ष ने यांगतांग निर्वाचन क्षेत्र के तहत सल्ले वार्ड में एसडीएफ पार्टी कार्यालय का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने स्थानीय लोगों से बातचीत की और उन्हें जनोन्मुखी कार्यक्रमों और एसडीएफ सरकार के दौरान की गई उपलब्धियों की याद दिलाई।

उन्होंने आगे कहा कि राज्य के लोगों ने स्वतंत्रता का अधिकार खो दिया है। उन्होंने सिक्किम में यहां के लोगों का शासन बनाए रखने के लिए एसडीएफ पार्टी को सरकार में वापस लाने की आवश्यकता पर जोर दिया। एसडीएफ सरकार के पुनर्गठन के बाद उन्होंने गांवों को पहली प्राथमिकता देने के भविष्य के पार्टी के कार्यक्रम की जानकारी दी।

उन्होंने कहा कि सिक्किम के लोग वर्तमान सरकार की जनविरोधी कार्यशैली के कारण आपातकाल और संकट का सामना कर रहे हैं, उन्होंने बताया कि वह लोगों को आपदाओं से बचाने के लिए राजनीति में हैं। इस दौरान बड़ी संख्या में मौजूद स्थानीय लोगों ने अपनी शिकायत एसडीएफ अध्यक्ष से की। इसी तरह, स्थानीय लोगों ने पवन चामलिंग को सूचित किया कि वे एसडीएफ पार्टी को सरकार में लाने के लिए दृढ़ हैं।

एसडीएफ अध्यक्ष ने की रोलू मंदिर में पूजा

एसडीएफ अध्यक्ष ने स्थानीय लोगों की शिकायतों और मांगों को गंभीरता से लिया और एसडीएफ सरकार के सत्ता में आने पर उन सभी को पूरा करने का वादा किया। उन्होंने हरि प्रसाद शर्मा को सल्ले वार्ड में एसडीएफ पार्टी कार्यालय खोलने के लिए भी धन्यवाद दिया। आज की यात्रा के दौरान उन्होंने गुरुथांग गांव की दिवंगत वंदना सुबेदी और चुबुंग के दिवंगत दान भूटिया के शोक संतप्त परिवारों से भी मुलाकात की और अपनी संवेदना व्यक्त की। यह जानकारी एसडीएफ के प्रचार महासचिव विष्णु दुलाल ने एक प्रेस विज्ञप्ति जारी कर दी।

दीपा राई 'चित्रकारिता श्री सम्मान' दिए जाने पर बधाई

अनुगामिनी का.सं.

गंगटोक, 18 जून । ओविया आर्ट सर्किल (ओएसी) सिक्किम की अध्यक्ष एवं प्रसिद्ध चित्रकार सुश्री दीपा राई को आगामी 13 जुलाई को 208वें भानू जयंती समारोह के अवसर पर नेपाली साहित्य परिषद द्वारा 'चित्रकारिता श्री सम्मान 2022' से सम्मानित किया जायेगा। इस सम्मान हेतु ओएसी, सिक्किम गंगटोक ने सुश्री राई को बधाई दी है।

संगठन के महासचिव दिवाकर लामिछाने ने एक विज्ञप्ति के माध्यम से कहा कि दीपा राई सिक्किम की प्रख्यात चित्रकार होने के साथ ही ओएसी सिक्किम की अध्यक्ष भी हैं। ऐसे में हम चित्रकारिता के क्षेत्र में उन्हें यह सम्मान प्रदान करने हेतु चुनने के लिये नेपाली साहित्य परिषद, गंगटोक तथा 208वें भानू जयंती समारोह समिति के प्रति आभार व्यक्त करते हैं।

लामछिने ने बताया कि सुश्री राई पिछले 20 वर्षों से कला क्षेत्र में सक्रिय हैं और इससे पहले क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान हेतु उन्हें कई प्रतिष्ठित सम्मानों से सम्मानित किया (शेष पृष्ठ ०३ पर)

खराब सड़क के कारण लोगों का हाल बेहाल

अनुगामिनी नि.सं.

गेजिंग, 18 जून । ग्रामीण विकास विभाग की लापरवाही के कारण सड़क की स्थित दयनीय हो जाने का गांव के लोगों ने आरोप लगाया है। गेजिंग जिला के मानेबुंग- देन्ताम क्षेत्र के देन्ताम खोला के पास लुंगथुंग से गुरांसे, खाण्डु स्कूल होते हुए हि- खोला को जोड़ने वाली छह किलोमीटर सड़क का निर्माण 1985 में किया गया था। बाद में 2016-17 में इस सड़क के चौरीकरण, बांध बनाने, कल्वर्ट बनाने के लिए राज्य के ग्रामीण विकास विभाग की ओर से निविदा जारी की गई और काम शुरू किया गया लेकिन अब तक सड़क यथावत है जिससे लोगों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है।

विशेष रूप से यहां खाण्डु स्वास्थ्य केन्द्र में आने वाले रोगी, आइसीडीएस के बच्चे, खाण्डु माध्यमिक विद्यालय के विद्यार्थी इस सड़क की स्थिति से चिंतित हैं। उनका आरोप है कि सड़क का विस्तार के नाम पर विनाश कर दिया गया है। बारिश के मौसम में यहां गाड़ियों के (शेष पृष्ठ ०३ पर)

भारतीय रिज़र्व बैंक

www.rbi.org.in

भारतीय रिज़र्व बैंक द्वारा विनियमित संस्थाओं / भारतीय रिज़र्व बैंक के किसी विभाग के विरुद्ध शिकायतों का निवारण

भारतीय रिज़र्व बैंक द्वारा विनियमित संस्थाओं से अपेक्षित है कि वे अपने ग्राहकों से प्राप्त शिकायतों का शीघ्र समाधान करें।

शिकायतों का समाधान यदि ग्राहकों की संतुष्टि के अनुरूप नहीं है या 30 दिन के भीतर शिकायतों का जवाब नहीं दिया गया है, तो **आरबीआई के शिकायत प्रबंध प्रणाली (सीएमएस) पोर्टल https://cms.rbi.org.in** पर शिकायत दर्ज की जा सकती है। शिकायतें "केंद्रीकृत प्राप्ति और प्रसंस्करण केंद्र (सीआरपीसी), चौथी मंज़िल, भारतीय रिज़र्व बैंक, सेक्टर -17, सेंट्रल विस्टा, चंडीगढ़ - 160017 पर भौतिक माध्यम या **crpc@rbi.org.in** पर ईमेल द्वारा भी दर्ज की जा सकती हैं।

यदि वह संस्था जिसके विरुद्ध शिकायत की गई है, आरबी-आईओएस के दायरे आती है तो सभी स्वीकार्य शिकायतों को "रिज़र्व बैंक - एकीकृत लोकपाल योजना, 2021" (आरबी-आईओएस) के तहत निपटाया जाता है। आरबी-आईओएस के दायरे से बाहर की संस्थाओं के विरुद्ध शिकायतों को उपभोक्ता शिक्षण और संरक्षण कक्ष (उशिसं कक्ष) द्वारा निपटाया जाता है। रिज़र्व बैंक- एकीकृत लोकपाल योजना, आरबी-आईओएस के तहत आने वाली संस्थाओं और इसके दायरे से बाहर की संस्थाओं की सूची तथा उशिसं कक्षों के पते सीएमएस पोर्टल पर उपलब्ध हैं।

भारतीय रिजर्व बैंक के शिकायत निवारण तंत्र के बारे में जानकारी टोल-फ्री नंबर 14448 के माध्यम से 24x7 प्राप्त की जा सकती है। हमारे अधिकारियों से बात करने की सुविधा सोमवार से शुक्रवार (बैंक छुट्टियों को छोड़कर) सुबह 9:30 बजे से शाम 5:15 बजे तक उपलब्ध है।

2. निक्षेप बीमा और प्रत्यय गारंटी निगम (डीआईसीजीसी)

(डीआईसीजीसी के विरुद्ध शिकायतों के लिए कोई भी व्यक्ति निम्नलिखित पते/ ई-मेल आईडी पर शिकायत दर्ज कर सकता है)

निक्षेप बीमा और प्रत्यय गारंटी निगम (डीआईसीजीसी)

महाप्रबंधक
डीआईसीजीसी, शिकायत निवारण कक्ष
भारतीय रिज़र्व बैंक भवन, दूसरी मंजिल
मुंबई सेंट्रल रेलवे स्टेशन के सामने
मुंबई - 400 008

शिकायतकर्ता श्रीमती संगीता ई., उप महाप्रबंधक से टेलीफोन नं. 022-23026400, विस्तार सं. 8205 अथवा जेनेरिक ई-मेल **dicgc@rbi.org.in** के माध्यम से भी संपर्क कर सकता/ सकती है।

महत्वपूर्ण सूचना

टिप्पणी 1: रिज़र्व बैंक- एकीकृत लोकपाल योजना/ उशिसं कक्ष के अंतर्गत शिकायत दर्ज करने से पहले शिकायतकर्ता अपनी शिकायत संबंधित विनियमित संस्था (अर्थात, उनके अपने बैंक/ एनबीएफसी/ भुगतान प्रणाली सहभागी) के पास दर्ज करें। यदि शिकायत का निवारण 30 दिनों के भीतर नहीं होता है, अथवा यदि शिकायतकर्ता विनियमित **संस्था द्वारा दिए गए उत्तर से संतुष्ट नहीं है, तो वह संबंधित बैंक/ एनबीएफसी/ प्रणाली सहभागी से उत्तर प्राप्त होने के एक वर्ष के भीतर** किसी भी समय आरबीआई-लोकपाल/ उशिसं कक्ष से संपर्क कर सकता/ सकती है। बैंक/ एनबीएफसी/ प्रणाली सहभागी से कोई उत्तर प्राप्त न होने की स्थिति में शिकायतकर्ता संस्था को अभ्यावेदन देने की तिथि से एक वर्ष और एक माह के भीतर किसी भी समय आरबीआई- लोकपाल से संपर्क कर सकता/ सकती है।

टिप्पणी 2: लिखित/ ईमेल शिकायत में शिकायत के संपूर्ण विवरण के साथ-साथ शिकायतकर्ता अपना नाम, पता और वर्तमान संपर्क नंबर अवश्य लिखें।

आरबीआई- लोकपाल के निर्णय के विरुद्ध अपील

आरबीआई- लोकपाल द्वारा दिए गए निर्णय के विरुद्ध अपील **सीएमएस पोर्टल पर ऑनलाइन दर्ज की जा सकती है** या आरबीआई- लोकपाल के निर्णय की सूचना प्राप्त होने के **30 दिन के** भीतर **अपील प्राधिकारी, भारतीय रिज़र्व बैंक, उपभोक्ता शिक्षण और संरक्षण विभाग, केंद्रीय कार्यालय, अमर भवन, सर पी.एम. रोड, फोर्ट, मुंबई 400001 (ईमेल- aaos@rbi.org.in)** को भेजी जा सकती है, बशर्ते कि शिकायत को योजना के अपील-योग्य खंडों के तहत बंद किया गया हो।

युवाओं को बरगलाने की कोशिश हो रही : नड्डा

बैंगलुरु, 18 जून (एजेन्सी)। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा शनिवार को कर्नाटक के चित्रदुर्ग पहुंचे। यहां उन्होंने ग्राम पंचायतों के अध्यक्ष और उपाध्यक्षों की एक बैठक को संबोधित करते हुए युवाओं से पीएम मोदी पर विश्वास करने की अपील की। अग्निपथ योजना का विरोध करने वाले युवाओं से जेपी नड्डा ने आंदोलन समाप्त करने और चर्चा का रास्ता चुनने तथा योजना को विस्तार से समझने के लिए कहा। इस दौरान उन्होंने विपक्ष पर युवाओं को गुमराह करने का भी आरोप लगाया।

जेपी नड्डा ने कहा कि मैं अपने युवा मित्रों से अपील करना चाहता हूं कि अग्निपथ एक क्रांतिकारी योजना है। भारतीय सेना को विश्व स्तर पर मजबूत स्थिति में रखने के लिए यह एक बड़ा क्रांतिकारी कदम है, हमें इसे समझना होगा। मुझे पता है कि युवाओं को बरगलाने और गुमराह करने की कोशिश की जा रही है।

ग्राम पंचायत अध्यक्षों और उपाध्यक्षों की एक बैठक को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि इस देश में कुछ ताकतें हैं जो सुधार या परिवर्तन नहीं चाहती हैं, और वे नहीं चाहते कि युवा शक्ति का सही तरीके से राष्ट्र सेवा में उपयोग किया जाए। उन्होंने आगे कहा कि मैं युवाओं से कहना चाहता हूं कि उन्हें प्रधानमंत्री मोदी पर विश्वास करना चाहिए।

बीजेपी अध्यक्ष ने युवाओं से योजना को गहराई से समझने की अपील करते हुए कहा कि इससे 17 साल की उम्र में युवाओं को न केवल सेना के लिए बल्कि अपने पूरे जीवन में बदलाव के लिए प्रशिक्षित होने का मौका मिलेगा। उन्होंने कहा कि ये प्रशिक्षण सेना में प्रवेश के साथ बाद के चरण में राज्य सेवाओं में शामिल होने में भी मदद करेगा। उन्होंने कहा कि कर्नाटक उन राज्यों में शामिल है जिन्होंने कहा है कि वे राज्य में पुलिस सेवाओं में भर्ती में अग्निवीरों को वरीयता देंगे।

उन्होंने युवाओं से योजना का लाभ लेने और लाभ लेने का आह्वान करते हुए पार्टी के पंचायत प्रमुखों से आह्वान किया कि वे अपने-अपने गांवों में अग्निपथ के बारे में युवाओं को संदेश दें। इस दौरान उन्होंने कहा कि कर्नाटक सरकार ने जो अमृत ग्राम योजना बनाई है उसे ग्राम के पंचायत अच्छी तरह से पढ़ कर आगे बढ़ाएं। मुझे इस बात की भी खुशी है कि आज कर्नाटक ओडीएफ (ओपन डेफिकेशन फ्री) हो चुका है। कर्नाटक पहला ऐसा राज्य है जहां रूरल सैनिटेशन की पॉलिसी बनी है। गौरतलब है कि सत्तारूढ़ भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष के ये बयान तब भी आए जब अग्निपथ योजना के खिलाफ देश भर के कई राज्यों में आज चौथे दिन भी विरोध प्रदर्शन हुए।

अपने चित्रदुर्ग दौरे के दौरान भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जे पी नड्डा ने वहां के प्रमुख लिंगायत मठ मुरुगराजेंद्र मठ का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने संत डॉ शिवमूर्ति मुरुघ शरणारू के साथ चर्चा की। भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा के कार्यालय ने बैठक की एक तस्वीर ट्वीट कर इसकी जानकारी दी।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री बसवराज बोम्मई, प्रदेश भाजपा अध्यक्ष नलिन कुमार कतील सहित कई अन्य संत, राज्य पार्टी के कई नेता और विधायक मौजूद थे। नड्डा ने इससे पहले दिन में बेंगलुरु में भाजपा के राष्ट्रीय ओबीसी मोर्चा और प्रशिक्षण वर्ग के समापन सत्र को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि आज हम गर्व से कह सकते हैं कि भाजपा की तरह समावेशी विकास और प्रगति के आंकड़े पेश करने के लिए कोई अन्य दल नहीं आ सकता है।

मां के 100वें जन्मदिन पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने लिखा खास पत्र- मैं निमित्त मात्र हूँ, तुम्हें भगवान ने गढ़ा है

नई दिल्ली, 18 जून (एजेन्सी)। मां, यह सिर्फ एक शब्द नहीं है। जीवन की वह भावना होती है, जिसमें स्नेह, धैर्य और विश्वास सबकुछ समाया होता है। दुनिया का कोई भी कोना हो, कोई भी देश हो, हर संतान के मन में सबसे अनमोल स्नेह मां के लिए होता है। यह जज्बात हैं देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के, जो उन्होंने अपनी मां के सौवें जन्मदिन पर जाहिर किए हैं। पीएम मोदी ने आगे लिखा है कि मां सिर्फ शरीर नहीं, बल्कि हमारा मन, व्यक्तित्व और आत्मविश्वास भी गढ़ती है। अपनी संतान के लिए ऐसा करते हुए वह खुद को भी भुला देती है।

अपने इस पत्र में पीएम मोदी ने मां के 100वें वर्ष में प्रवेश की खुशी साझा की है। साथ ही उन्होंने अपने पिता को भी याद किया है। इस पत्र में प्रधानमंत्री मोदी ने लिखा है कि उनके व्यक्तित्व में जो कुछ भी अच्छा है वो मां और पिताजी की ही देन है। उन्होंने लिखा कि आज जब मैं यहां दिल्ली में बैठा हूं तो कितना कुछ पुराना याद आ रहा है। पीएम लिखते हैं कि मेरी मां के बारे में पढ़ते हुए आपको अपनी मां याद आ सकती हैं। मां की तपस्या, उसकी संतान को सही इंसान बनाती है। इसके बाद प्रधानमंत्री ने अपने मां के बचपन को याद किया है। वह बताते हैं कि वह पढ़ाई भी नहीं कर पाईं। उन्होंने कुछ देखा तो बस गरीबी और दुनियाभर के अभाव।

अपने इस पत्र में पीएम मोदी ने अपने बचपन को भी याद किया है। वह बताते हैं कि एक छोटे से घर में उनका बचपन बीता, जहां खिड़की, बाथरूम और शौचालय तक नहीं थे। मिट्टी और खपैरल की छत से बने इस डेढ़ कमरे के घर में मां-पिताजी और हम सब भाई-बहन रहते थे। उन्होंने याद किया है कि अभाव के बीच भी उनके पिता ने कभी तनाव को खुद को हावी नहीं होने दिया। पीएम लिखते हैं कि उनकी मां खाना बनाते वक्त नरसी मेहता का प्रसिद्ध भजन जलकमल छांडी जाने बाला, स्वामी अमारो जागशे आदि गुनगुनाती रहतीं। उन्होंने लिखा है कि घर चलाने के लिए पैसों की आस में कभी-कभी मां दूसरों के घर के बर्तन भी मांजा करती थीं।

इस पत्र में पीएम मोदी ने अपनी

मां की साफ-सफाई की आदतों, काम के लिए परफेक्शन, आज भी मां द्वारा मिठाई खिलाने की आदत और उसके बाद रुमाल से मुंह पोंछने के बारे में विस्तार से लिखा है। अपनी मां के पशु पक्षियों के प्रति प्रेम और दयाभाव का भी उन्होंने जिक्र किया है। इस पत्र में मोदी ने अपने पिता के मित्र अब्बास को भी याद किया है। पत्र में पीएम मोदी ने केदारनाथ की उस घटना का भी जिक्र किया है, जब मां ने उनकी तारीफ की थी। इसके अलावा श्रीनगर के लाल चौक पर मां द्वारा टीका किए जाने की घटना का पीएम ने जिक्र किया है। पीएम याद करते हैं कि किस तरह पहली बार गुजरात का सीएम बनने के बाद उन्होंने मां समेत तमाम गुरुओं का सम्मान करने की सोची थी। तब मोदी की मां ने उन्हें अक्षरज्ञान कराने वाले जेठाभाई को वहां बुलाने के लिए कहा था। पीएम मोदी बताते हैं कि उनकी मां हमेशा इस बात की ताकीद करती हैं कि कुछ भी गलत काम मत करना।

दिल्ली में कोरोना के नए वैरिएंट का पता लगाने को जीनोम सीक्वेंसिंग बढ़ाई गई

राजेश अलख

नई दिल्ली, 18 जून । देशभर में कोरोना महामारी के मामलों ने एक बार फिर रफ्तार पकड़ ली है। कोरोना के मामले बढ़ने के बीच दिल्ली ने एहतियाती कदम उठाते हुए कोविड के किसी नए वैरिएंट का पता लगाने के लिए नमूनों की जीनोम सीक्वेंसिंग किए जाने की गति बढ़ा दी है।

अधिकारियों ने शनिवार को इस बारे में जानकारी देते हुए बताया कि दिल्ली के स्वास्थ्य विभाग द्वारा यहां साझा किए आंकड़ों के मुताबिक, शुक्रवार को दिल्ली में कोविड के 1,797 नए मामले सामने आए, जो करीब चार महीने में एक दिन की सर्वाधिक संख्या है। शुक्रवार को संक्रमण से एक व्यक्ति की मौत भी हो गई थी, जबकि संक्रमण दर बढ़ कर 8.8 फीसदी हो गई।

दिल्ली सरकार द्वारा संचालित इंस्टीट्यूट ऑफ लीवर एंड बाइलरी साइंसेज (आईलबीएस) में जीनोम सीक्वेंसिंग प्रयोगशाला है। उसके पास चार से पांच दिनों में 350 नमूनों का विश्लेषण करने की क्षमता है। संस्थान के ही एक डॉक्टर ने यह जानकारी दी।

सूत्रों ने बताया कि 2021 के अंत से पांच जून तक आईएलबीएस ने 5,000 से लेकर 6,000 नमूनों तक की जांच की गई है और उनमे से ज्यादातार में ओमिक्रॉन की पुष्टि हुई। उन्होंने बताया कि 25 से कम सीटी वैल्यू वाले नमूनों की ही जांच की जा सकती है।

एक सूत्र ने बताया कि हमने अब तक बीए.1 और बीए.2 तथा इसके सब-वैरिएंट का पता लगाया है, लेकिन कोई नया वैरिएंट नहीं पाया है। यह जानकारी मिली है कि महाराष्ट्र में एक नया वैरिएंट पाया गया है। कुछ नमूनों के नतीजे अगले कुछ दिनों में आएंगे।

अधिकारियों ने बताया कि दिल्ली सरकार कोरोना वायरस के कारण पैदा हुए हालात का जायजा लेने के लिए नियमित रूप से बैठकें कर रही है।

राष्ट्रीय रोग नियंत्रण केंद्र (एनसीडीसी), लोक नायक जय प्रकाश नारायण अस्पताल और आईएलबीएस को जीनोम सीक्वेंसिंग के लिए भेजे जा रहे नमूनों की संख्या बढ़ी है, लेकिन 25 से कम सीटी वैल्यू वालों की ही सीक्वेंसिंग की जा सकती है।

आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, पिछले 10 दिनों में दिल्ली में कोविड के मामले बढ़े हैं। राज्य में छह जून को 247 मामले सामने आए थे, जबकि 15 जून को 1300 मामले आए थे। कोविड के मामलों में वृद्धि के बीच, संक्रमण दर भी सात जून के 1.92 प्रतिशत से बढ़ कर 15 जून को 7.01 प्रतिशत और 17 जून को 8.18 प्रतिशत हो गई।

फारूक अब्दुल्ला ने विपक्ष के उम्मीदवार के रूप में अपना नाम वापस लिया, कहा- जम्मू-कश्मीर को उनकी जरूरत

नई दिल्ली, 18 जून (एजेन्सी)। नेशनल कांफ्रेंस के प्रमुख फारूक अब्दुल्ला ने राष्ट्रपति चुनाव के लिए संयुक्त विपक्ष के उम्मीदवार के रूप में अपना नाम वापस लेते हुए कहा कि वह बेहद महत्वपूर्ण दौर से गुजर रहे जम्मू-कश्मीर का रास्ता तय करने में अपनी भूमिका निभाना चाहेंगे। हालांकि, उन्होंने अगले महीने होने वाले राष्ट्रपति चुनाव के लिए उनका नाम का प्रस्तावित करने को लेकर विपक्ष के नेताओं को धन्यवाद दिया।

नेकां द्वारा जारी बयान के अनुसार, लोकसभा सदस्य ने कहा कि भारत के राष्ट्रपति पद के लिए संयुक्त विपक्ष के संभावित उम्मीदवार के रूप में पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी द्वारा उनका नाम प्रस्तावित किए जाने पर वह सम्मानित महसूस कर रहे हैं। अब्दुल्ला ने एक बयान में कहा, 'ममता दीदी द्वारा मेरे नाम का प्रस्ताव रखे जाने के बाद मुझे विपक्ष के कई नेताओं का कॉल आया और वे उम्मीदवार के रूप में मेरे नाम का समर्थन कर रहे हैं।'

नेशनल कांफ्रेंस प्रमुख ने कहा कि उन्होंने अपनी पार्टी के वरिष्ठ नेताओं और परिवार के सदस्यों के साथ इस ''अप्रत्याशित'' घटनाक्रम पर चर्चा की। उन्होंने कहा, 'मुझे जो समर्थन मिला है, उससे मैं बहुत खुश हूं और सम्मानित महसूस कर रहा हूं कि देश के सर्वोच्च पद के लिए मेरे नाम पर विचार किया गया। मेरा मानना है कि जम्मू-कश्मीर इस समय बहुत महत्वपूर्ण समय से गुजर रहा है और इन अनिश्चित समय में उसे मेरे प्रयासों की जरूरत है।'

जम्मू-कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि उनका मानना है कि 'सक्रिय राजनीति में अभी उन्हें बहुत कुछ करना है और वह जम्मू-कश्मीर तथा देश की सेवा में अभी बहुत कुछ करना चाहते हैं।' उन्होंने कहा, 'इसलिए मैं विचारार्थ अपने नाम को पूरे सम्मान के साथ वापस लेना चाहता हूं तथा मैं संयुक्त विपक्ष के उम्मीदवार का समर्थन करूंगा।'

अग्निपथ योजना की आड़ में हिंसा भड़काने की हो रही साजिश : ब्रजेश पाठक

लखनऊ, 18 जून (एजेन्सी)। यूपी के उप-मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने कहा है कि अग्निपथ' योजना का विरोध कर रहे युवाओं समाजविरोधी तत्व भड़काकर हिंसा करवा रहे हैं। उन्होंने कहा कि विभाजनकारी ताकतें हमेशा ही समाज में उपद्रव करने की फिराक में रहती हैं, इस बार इन्होंने युवाओं को अपना टूल बनाने की साजिश की है। डिप्टी सीएम ने युवाओं को समाजविरोधी ताकतों के हाथ का खिलौना बनने से बचने की जरूरत बताते हुए अग्निपथ योजना का लाभ उठाने के लिए तैयारी करने की अपील की है। इसके साथ ही ब्रजेश पाठक ने गृह मंत्रालय द्वारा 04 साल की सेवा पूर्ण करने वाले अग्निवीरों के लिए सीएपीएफ व असम राइफल्स में 10 प्रतिशत रिक्तियां आरक्षित करने के साथ ही प्रवेश की आयु सीमा में 03 वर्ष की छूट देने के निर्णय का स्वागत किया है।

शनिवार को जारी अपने बयान में उन्होंने कहा कि अग्निपथ योजना युवाओं के लिए नए अवसर पैदा करेगी। यह योजना युवाओं के उज्ज्वल भविष्य के लिए स्वर्णिम अवसर है साथ ही फिट और तेजतर्रार युवा भारतीय सेना से जुड़ेंगे, जो की सीमा रक्षा के लिए अधिक उपयोगी होंगे। उन्होंने कहा कि पूर्व की सरकारों की नीतियों के कारण पहले औसतन 10 में से 01 उम्मीदवार की सेना में भर्ती होती थी। बाकी के 09 को अपने हाल पर छोड़ दिया जाता था। लेकिन अब मोदी सरकार में अगर 04 युवा सेना के लिए चुने जाएंगे तो इसमें से 01 को 4 साल बाद स्थायी नियुक्ति मिल जाएगी और बाकी के 03 को लगभग छ12 लाख का एकमुश्त बैलेंस मिलेगा और पुलिस और बाकी विभागों में भी इनकी नियुक्ति के बेहतर अवसर होंगे।

योजना को लेकर तमाम आशंकाओं को निराधार बताते हुए डिप्टी सीएम ने कहा कि युवाओं को यह भी समझना चाहिए कि यह सेवा केवल भारतीय सेना के लिए है। पैरामिलिट्री बल की सेवाओं में पूर्ववत अवसर बने रहेंगे। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने विभिन्न सेवाओं में इन युवाओं को वरीयता देने की बात कही है तो उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ सहित विभिन्न राज्य सरकारों ने अपनी पुलिस सेवा में वरीयता की घोषणा की है। अग्निवीरों को व्यापार हेतु वित्तीय पैकेज, आसान बैंक ऋण सुविधा एवं पैरा मिलिट्री फोर्स और पुलिस की भर्ती में प्राथमिकता दी जाएगी।

उपमुख्यमंत्री ने कहा कि अग्निपथ योजना भारतीय सशस्त्र बलों को और अधिक युवा बनाने की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम है।

सशस्त्र बलों से जुड़ना हर भारतीय के लिए गर्व की बात है और इस पहल से राष्ट्रीय सेवा में अधिक युवा शामिल होंगे, रोजगार के नए अवसर पैदा होंगे और एक कुशल और फिट कार्यबल बनाने में योगदान देंगे। उन्होंने कहा कि युवाओं को विरोध प्रदर्शन के बजाय जल्द होने जा रही अग्निवीरों की भर्ती के लिए तैयारी करनी चाहिए।

हिंसक प्रदर्शन को लेकर बलिया में 400 अज्ञात लोगों के खिलाफ केस दर्ज

लखनऊ, 18 जून (एजेन्सी)। उत्तर प्रदेश के बलिया जिले के कोतवाली पुलिस थाने में शुक्रवार को केंद्र की अग्निपथ योजना के खिलाफ प्रदर्शन के सिलसिले में पुलिस ने 400 अज्ञात लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया।

इस बीच, एक स्थानीय अदालत ने विरोध-प्रदर्शन के सिलसिले में गिरफ्तार 109 लोगों को 14 दिनों की न्यायिक हिरासत में भेज दिया है।

पुलिस क्षेत्राधिकारी (नगर) प्रीति त्रिपाठी ने शनिवार को बताया कि बलिया रेलवे स्टेशन के स्टेशन मास्टर की शिकायत के आधार पर 400 अज्ञात लोगों के खिलाफ रेलवे अधिनियम, भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) और सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान की रोकथाम अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया गया है।

उन्होंने बताया कि 109 गिरफ्तार व्यक्तियों को सिटी मजिस्ट्रेट की अदालत में पेश किया गया, जिन्होंने उन्हें 14 दिनों की न्यायिक हिरासत में भेज दिया।

त्रिपाठी के मुताबिक, जिन लोगों ने ट्रेन के डिब्बे में आग लगा दी थी और सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान पहुंचाया था, उनकी पहचान करने का प्रयास किया जा रहा है।

इस बीच, थाना प्रभारी (जीआरपी) राघवेंद्र यादव ने बताया कि राजकीय रेलवे पुलिस (जीआरपी) ने 150 अज्ञात लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया है।

वहीं, बलिया की जिलाधिकारी सौम्या अग्रवाल ने कहा कि जिले में सुरक्षा के पर्याप्त इंतजाम किए गए हैं।

अग्रवाल के अनुसार, संवेदनशील स्थानों की पहचान कर ली गई है और वहां भारी संख्या में पुलिस बल व मजिस्ट्रेट तैनात किए गए हैं। पुलिस शनिवार तड़के से हाई अलर्ट पर है और बलिया रेलवे स्टेशन पर पर्याप्त सुरक्षा व्यवस्था की गई है।

अपर पुलिस महानिदेशक (कानून-व्यवस्था) प्रशांत कुमार ने शुक्रवार को बताया था कि अलीगढ़ के टप्पल क्षेत्र में कुछ नौजवानों के एक समूह ने अलीगढ़-पलवल राज्यमार्ग पर स्थित जट्टारी पुलिस चौकी में आग लगा दी थी। इसके अलावा उन्होंने पुलिस के एक वाहन को भी आग के हवाले कर दिया था।

उन्होंने बताया था कि प्रदर्शनकारियों ने अलीगढ़ और टप्पल के बीच फंसे कुछ निजी वाहनों पर पथराव भी किया था। हिंसक प्रदर्शन के दौरान खैर के पुलिस क्षेत्राधिकारी इंदु सिद्धार्थ घायल भी हो गए थे। हालांकि, उन्हें मामूली चोटें आई हैं।

कुमार ने बताया था कि प्रदेश में 17 जगहों से धरना प्रदर्शन की खबर आई है। हिंसक घटनाओं के मामले में वाराणसी में तीन और फिरोजाबाद, अलीगढ़ व गौतमबुद्ध नगर जिलों में एक-एक मुकदमा दर्ज किया गया है।

उन्होंने बताया था कि हिंसाग्रस्त जिलों में कुल 260 लोगों को गिरफ्तार भी किया गया है। कुमार के अनुसार, सबसे ज्यादा 109 गिरफ्तारियां बलिया में की गई हैं, जबकि मथुरा में 70, अलीगढ़ में 31, वाराणसी में 27 और गौतमबुद्ध नगर में 15 लोगों को गिरफ्तार किया गया है।

अलीगढ़ के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक कलानिधि नैथानी के मुताबिक, जिले में हिंसा के मामले में 30 लोगों को हिरासत में लिया गया। हिंसाग्रस्त टप्पल इलाके में बल ने फ्लैग मार्च किया। घटना के बाद पुलिस की साइबर सेल के माध्यम से सोशल मीडिया पर पैनी निगाह रखी जा रही है।

यूपी के कई हिस्सों में लगातार आज भी अग्निपथ योजना के खिलाफ विरोध-प्रदर्शन जारी रहा। प्रदर्शनकारियों ने शनिवार को जौनपुर और चंदौली में बवाल किया। इस दौरान कई वाहनों को क्षतिग्रस्त कर दिया गया। जौनपुर के सिकरारा थाना क्षेत्र स्थित बरगुदर पुल व लाला बाजार के बीच सवा घंटे तक दो सौ से अधिक युवकों ने जमकर बवाल काटा। सड़क पर लाठी डंडा लेकर उतरे इन युवाओं ने रोडवेज की बसों को क्षतिग्रस्त कर दिया।

उल्लेखनीय है कि सरकार ने दशकों पुरानी रक्षा भर्ती प्रक्रिया में आमूल-चूल परिवर्तन करते हुए तीनों सेनाओं में सैनिकों की भर्ती संबंधी अग्निपथ योजना की मंगलवार को घोषणा की थी। इसके तहत सैनिकों की भर्ती चार साल की लघु अवधि के लिए संविदा आधार पर की जाएगी।

योजना के तहत तीनों सेनाओं में इस साल करीब 46,000 सैनिक भर्ती किए जाएंगे। चयन के लिए पात्रता आयु साढ़े 17 वर्ष से 21 वर्ष के बीच होगी और भर्ती होने वाले सैनिकों को अग्निवीर नाम दिया जाएगा।

अग्निपथ स्कीम के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में पीआईएल

नई दिल्ली, 18 जून (एजेन्सी)। सुप्रीम कोर्ट में एक जनहित याचिका (पीआईएल) दायर की गई है, जिसमें अग्निपथ सैन्य भर्ती योजना और राष्ट्रीय सुरक्षा और सेना पर इसके प्रभाव की जांच के लिए शीर्ष अदालत के पूर्व न्यायाधीश की अध्यक्षता में एक विशेषज्ञ समिति की मांग की गई है।

याचिका में, याचिकाकर्ता विशाल तिवारी ने इस योजना के खिलाफ सामने आए हिंसक विरोधों और रेलवे सहित सार्वजनिक संपत्ति को हुए नुकसान के बारे में जांच के लिए एक विशेष जांच दल (एसआईटी) गठित करने की भी मांग की।

याचिकाकर्ता ने इसके अलावा हिंसक विरोध प्रदर्शनों पर एक स्थिति रिपोर्ट मांगी है। याचिका में कहा गया है, इसकी शुरूआत के बाद से, देश गंभीर और अनियंत्रित सामूहिक हिंसा और योजना के खिलाफ विरोध का सामना कर रहा है।

इस योजना के माध्यम से जो चिंता उठती है वह मुख्य रूप से सेवा की अवधि (4 साल) है, जो उचित नहीं है और इसमें कोई पेंशन लाभ भी नहीं है।

अपने विरोध प्रदर्शन के दौरान सेना में भर्ती होने के इच्छुक युवाओं एवं उम्मीदवारों ने आरोप लगाया है कि अग्निपथ योजना उन सैनिकों के लिए अनिश्चितता बन जाएगी, जिन्हें 4 साल बाद सेवाएं छोड़नी होंगी।

याचिका के अनुसार, 4 साल का अनुबंध पूरा होने के बाद, कुल बल का 25 प्रतिशत बरकरार रखा जाएगा और बाकी कर्मियों को छोड़ना होगा, जो उनके भविष्य के लिए गंभीर अनिश्चितता पैदा करता है।

इसमें आगे कहा गया है कि नौकरी की सुरक्षा के साथ, दिव्यांगता पेंशन सहित कोई पेंशन लाभ नहीं होगा। सैनिकों को उनका कार्यकाल समाप्त होने पर 11 लाख रुपये से कुछ अधिक की एकमुश्त राशि ही मिलेगी।

यह भी कहा गया है कि विभिन्न सैन्य दिग्गजों के अनुसार, संविदा भर्ती की यह योजना स्थायी भर्ती की तुलना में प्रशिक्षण, मनोबल और प्रतिबद्धता पर समझौता कर सकती है।

याचिका में कहा गया है, सेना की संरचना और पैटर्न में इस तरह के प्रयोगात्मक आमूल-चूल परिवर्तन से गंभीर रणनीतिक अनिश्चितता पैदा हो सकती है, जो राष्ट्रीय सुरक्षा से समझौता कर सकती है। इन मुद्दों की वजह से देश के विभिन्न हिस्सों में गंभीर विरोध प्रदर्शन देखने को मिला है।

जनहित याचिका में कहा गया है, इस स्थिति में तत्काल न्यायिक हस्तक्षेप की आवश्यकता है।

युवाओं को बरगलाया जा रहा है : संजय जायसवाल

पटना, 18 जून (का.सं.)। नरेंद्र मोदी सरकार की अग्निपथ योजना की अग्निवीर सेना भर्ती के विरोध में गुरुवार और शुक्रवार को हिंसक प्रदर्शन के बाद शनिवार को छात्र संगठनों ने भारत बंद बुलाया है। इस भारत बंद का राजद महागठबंधन समेत कई दलों ने समर्थन भी किया है। बिहार के कई जिलों से लगातार तोड़फोड़ और आगजनी के खबरें आ रही हैं। इस बीच बिहार भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष संजय जायसवाल ने इस प्रदर्शन को प्रायोजित साजिश बताया है। संजय ने कहा कि यह केंद्र सरकार की एक अच्छी योजना को बदनाम करने का प्रयास है। संजय जायसवाल ने आगे कहा कि बहुत दुख है कि कुछ युवा इन लोगों के जरिए बरगलाए जा रहे हैं।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने आगे कहा कि प्रदर्शन कर रहे युवाओं को एक बार अग्निपक्ष और अग्निवीर के बारे में जरूर जानना चाहिए। वहीं घर पर हुए हमले को लेकर कहा कि उनके घर को उड़ाने की साजिश थी। भीड़ ने पेट्रोल डालकर आग लगाने की भी कोशिश की। वहीं संजय जायसवाल ने उपद्रवियों पर एक्शन को लेकर कहा कि इस मामले में जैसी कार्रवाई प्रशासन को करनी चाहिए थी, वैसे नहीं की गई है। साथ ही संजय जायसवाल ने कहा कि युवा किसी भी बहकावे में ना आएं क्योंकि दूसरों देशों की तरह भारत भी अपनी सैन्य ताकत को मजबूत करना चाहता है। इसी के लिए सरकार नागरिकों को ट्रेंड करना चाहती है।

बता दें कि शुक्रवार को हिंसा के दौरान प्रदर्शनकारियों ने बिहार की उप मुख्यमंत्री रेणु देवी और बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष संजय जायसवाल के घर पर हमला बोल दिया था।

प्रदर्शनकारियों ने दोनों घरों में जमकर तोड़फोड़ भी की। संजय जायसवाल के घर में हमले का एक सीसीटीवी वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है, जिसमें भीड़ घर में दरवाजा तोड़कर घुसती हुई नजर आ रही है।

'अग्निपथ' के विरोध में प्रदर्शन की वजह से थमी ट्रेनों की रफ्तार, रेलवे ने 369 ट्रेनों को किया रद्द

नई दिल्ली, 18 जून (एजेन्सी)। केंद्र सरकार की ओर से देश की तीनों सेनाओं में भर्ती के लिए लाई गई 'अग्निपथ योजना' का विरोध शनिवार को भी नहीं थमा। बिहार में आज बंद बुलाया गया है तो पंजाब के लुधियाना में उपद्रवियों ने स्टेशन पर तोड़फोड़ की। वहीं, रेलवे ने भी आंदोलन को देखते हुए शनिवार को 369 ट्रेनों को रद्द कर दी। इनमें 210 मेल और एक्सप्रेस और 159 लोकल पैसेंजर ट्रेनें शामिल हैं।

अधिकारियों ने कहा कि रेलवे ने दो और मेल/एक्सप्रेस ट्रेनों को भी आंशिक रूप से रद्द कर दिया है, इस प्रकार दिन के दौरान प्रभावित होने वाली ट्रेनों की कुल संख्या 371 पहुंच गई है। सरकार ने मंगलवार को अग्निपथ योजना का ऐलान करते हुए कहा था कि सेवा में साढ़े 17 से 21 वर्ष की आयु के युवाओं को चार साल के कार्यकाल के लिए शामिल किया जाएगा, जबकि उनमें से 25 प्रतिशत युवाओं को नियमित सेवा के लिए बरकरार रखा जाएगा।

योजना के ऐलान के बाद से ही यूपी, बिहार समेत देश के अन्य हिस्सों में प्रदर्शन शुरू हो गया था। देखते-देखते यह प्रदर्शन हिंसक हो गया और युवाओं ने कई ट्रेनों में आग लगी दी और स्टेसन पर तोड़फोड़ की। ट्रेन सेवाओं के बाधित होने और संपत्ति को नुकसान पहुंचाए जाने के मद्देनजर रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने शनिवार को कहा कि सरकार रेलवे की संपत्ति की रक्षा के लिए रेलवे अधिनियम को और मजबूत करने की दिशा में काम करेगी। वैष्णव ने एक टीवी समिट में प्रदर्शनकारियों से कानून हाथ में न लेने की भी अपील की। उन्होंने कहा, 'सरकार आपकी सभी चिंताओं को सुनेगी और उनका समाधान किया जाएगा।' सशस्त्र बलों में अल्पकालिक आधार पर भर्ती के लिए केंद्र की ओर से पेश की गई 'अग्निपथ' योजना के खिलाफ बिहार और अन्य राज्यों में विरोध प्रदर्शन हो रहे हैं। प्रदर्शनों के दौरान शुक्रवार को 340 से अधिक ट्रेन प्रभावित हुईं और सात से अधिक ट्रेन में आग लगा दी गई।

खराब सड़क के .....

चलने में खासी दिक्कत होती है। सड़क की इस अवस्था को देखते हुए संबंधित विभाग की लापरवाही ही सामने आती है। अब तक विभाग की ओर से इस पर ध्यान नहीं दिया जा रहा है।

स्थानीय नागरिकों की ओर से हेमन्त कुमार चौवान ने सड़क की स्थिति पर बोलते हुए कहा कि सांखु- रदुखाण्डु ग्राम पंचायत इकाइ के भीतर खोदी गई सड़क के कारण आम नागरिकों को विभिन्न समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है।

मुख्य रूप से बीमार लोगों को अस्पताल ले जाने और विद्यार्थियों को स्कूल आने जाने में काफी दिक्कत होती है। उन्होंने आरोप लगाया कि सड़क की स्थित पर विभाग की ओर से कोई ध्यान नहीं दिया जा रहा है। यह जनता के साथ अन्याय है। उन्होंने सरकार से इस समस्या के समाधान की मांग की।

दीपा राई 'चित्रकारिता .....

जा चुका है। इनमें 2005 में सिक्किम अकादमी द्वारा बेस्ट ऑफ फाइव पेंटिंग, मणिकर्णिका आर्ट गैलरी, इंडिया द्वारा मणिकर्णिका कला सम्मान, उत्कर्ष ललित कला अकादमी, लखनऊ द्वारा अमृता शेरगिल पुरस्कार, सिक्किम अकादमी पुरस्कार, स्टेट ललित कला अकादमी, कानपुर, श्रीजन्विता, सिलीगुड़ी, सिक्किम कलाकार संघ के अलावा संस्कृति मंत्रालय, रोटरी क्लब ऑफ गंगटोक, एनईजेडसीसी, दीमापुर से प्राप्त सम्मान आदि शामिल हैं।

इसके अलावा सुश्री राई साहित्य के क्षेत्र में भी समान रूप से सक्रिय हैं। इसके अंतर्गत वह ओविया आर्ट सर्किल, सिक्किम, सिक्किम अकादमी, नेपाली साहित्य परिषद सिक्किम, हिंदी साहित्य सेवा समिति, सिक्किम, महिला काव्य मंच, सिक्किम इकाई से भी जुड़ी हुई हैं।

ओविया आर्ट सर्किल की ओर से सुश्री राई को बधाई देने के साथ ही उनके उज्जवल भविष्य की कामना की गयी है।

अनुराग ठाकुर ने भी की अग्निवीरों को प्राथमिकता देने की बात, कहा- कुछ लोग राजनीतिक रोटियां सेंकने में जुटे

नई दिल्ली, 18 जून (एजेन्सी)। हाल ही में सेना में भर्ती के लिए केंद्र सरकार द्वारा लाई गई योजना 'अग्निपथ' का देश के कई राज्यों में जोर-शोर से विरोध किया जा रहा है। बिहार, तेलंगाना और कुछ अन्य राज्यों में विरोध हिंसक भी हो गया है, कई ट्रेनों में आग लगा दी गई है। इस बीच केंद्र सरकार के मंत्री अनुराग ठाकुर का बयान सामने आया है। उन्होंने सेना में भर्ती के लिए लाए गए इस नए मॉडल का बचाव करते हुए कहा कि हिंसा का रास्ते पर चलकर अपनी बात रखना सही नहीं है। इस दौरान उन्होंने विपक्ष पर भी हमला करते हुए कहा कि युवाओं को भटकाकर कुछ लोग अपनी राजनीतिक रोटियां सेकना चाहते हैं।

केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने कहा कि युवाओं से अनुरोध है कि हिंसा का रास्ता अपनी बात रखने के लिए ठीक नहीं है। 'अग्निपथ' युवाओं के हित में और देश को और सुरक्षित बनाने के लिए लिया गया निर्णय है। हिंसा फैलाने से, उपद्रव मचाने से कुछ नहीं होगा। कुछ लोग अपनी राजनीतिक रोटियां सेकना चाहते हैं।

उन्होंने कहा कि सीएपीएफ में भी अग्निवीरों को प्राथमिकता देने की बात की गई है। इसके अलावा आयु में भी रियायत दी जाएगी। उन्होंने कहा कि हमारा विभाग भी अग्निवीरों को 4 साल की सर्विस के बाद ट्रेनिंग देकर जो लोग शारीरिक शिक्षा के अध्यापक बनना चाहते हैं उनके लिए नौकरी के अवसर प्रदान करने को सोंच रहा है। उन्होंने कहा कि विभिन्न राज्यों में शारीरिक शिक्षा के अध्यापकों के लगभग 15 लाख पद खाली हैं, हम इस बारे में भी विचार कर रहे हैं।

इससे पहले कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी ने सरकार की अग्निपथ योजना पर प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा इस योजना को दिशाहीन बताते हुए कहा कि मुझे दुख है कि सरकार ने आपकी आवाज को नजरअंदाज किया और एक नई योजना की घोषणा की जो पूरी तरह से दिशाहीन है, मैं आप सभी से शांतिपूर्ण तरीके से विरोध करने की अपील करती हूं। भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस आपके साथ है।

गौरतलब है कि अग्निपथ योजना की आग पूरे देश में फैल चुकी है। यूपी-बिहार व हरियाणा से लेकर तेलंगाना तक हिंसक प्रदर्शन जारी है। हालात चिंताजनक हो गए हैं। कई जगह ट्रेनें फूंक दी गई हैं, जिससे देशभर में करीब 200 ट्रेनें प्रभावित हुई हैं। वहीं तेलंगाना व बिहार में हुए हिंसक प्रदर्शन में दो लोगों की मौत हो गई। इस बीच थल सेना व वायु सेना की ओर से

बड़ा बयान जारी किया गया है। थल सेना प्रमुख ने कहा है कि अग्निवीरों की भर्ती के लिए दो दिन में अधिसूचना जारी होगी तो वायु सेना में 24 जून से भर्ती प्रक्रिया शुरू होगी।

केंद्र सरकार की हाल ही में सेना भर्ती के लिए लाई गई योजना अग्निपथ के विरोध के बीच केंद्रीय पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने कहा कि ये योजना देश और युवाओं के लिए काफी अच्छी है। उन्होंने कहा कि इस येजना के जरिए हमारी योजना युवाओं के अंदर स्किल को डेवलप करना है। उन्होंने कहा कि हम इन ट्रेन्ड लोगों में से में भी ले सकते हैं। इसको लेकर अच्छी योजनाएं बनाई जा रही है। उन्होंने आगे कहा, लेकिन जब तक ये योजनाएं कार्यान्वित हो पाती तब तक राजनीतिक रोटी सेंकने वाले लोंगों ने सड़कों पर प्रदर्शन करवा दिया।

उन्होंने कहा कि सरकार युवाओं को अग्निपथ योजना के बारे में जागरुक करेगी। उन्होंने कहा कि मेरे मंत्रालय के तहत पहले से ही कई सार्वजनिक उपक्रमों में प्रशिक्षित जनशक्ति की नियुक्ति की जा रही है। आगे बोलते हुए उन्होंने कहा कि ट्रेंड अग्निवीरों की क्षमता का प्रयोग कई सार्वजनिक उपक्रमों में किया जा सकता है।

नागरिक उड्डयन मंत्रालय भी अपने विभाग में अलग-अलग सेवाओं के लिए अत्यधिक कुशल, अनुशासित अग्निवीरों की भर्ती के लिए विचार कर रहा है।

संजय जायसवाल मानसिक संतुलन खो चुके हैं : ललन सिंह

पटना, 18 जून (का.सं.)। बिहार में नरेंद्र मोदी सरकार की अग्निपथ योजना के विरोध में मचे बवाल को लेकर सत्ताधारी बीजेपी और गठबंधन साथी जेडीयू में सब ठीक नहीं चल रहा है। जहां नीतीश कुमार की जेडीयू ने इस योजना को लेकर केंद्र सरकार से पुनर्विचार करने के लिए कहा तो वहीं बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष डॉक्टर संजय जायसवाल ने सिर्फ भाजपा को टारगेट करने का आरोप लगाते हुए पुलिस और प्रशासन की कार्यशैली पर भी सवाल उठा दिया। अब जेडीयू के अध्यक्ष ललन सिंह ने जवाब देते हुए कहा है कि संजय जायसवाल अपना मानसिक संतुलन खो चुके हैं। ललन सिंह ने कहा है कि सीएम नीतीश कुमार गुड गवर्नेंस के लिए जाने जाते हैं। वो जानते हैं कि कैसे सरकार चलती है। ललन सिंह ने आगे कहा कि प्रशासन आखिर संजय जायसवाल को क्यों टारगेट करेगा। ललन सिंह ने आगे संदेश देते हुए कहा कि संजय जायसवाल इस मामले में लोगों को समझाएं, जेडीयू को नहीं। नीतीश कुमार को सब पता है कि सरकार कैसे चलती है।

ललन सिंह के बयान से पहले संजय जायसवाल ने कहा कि

सुनियोजित ढ़ंग से साजिश करते हुए बिहार को बदनाम किया जा रहा है। इस विरोध में पुलिस की भूमिका ठीक नहीं रही है। जायसवाल ने आगे कहा कि दो दिनों में तीन जिलों के बीजेपी कार्यालयों में आग लगाई गई लेकिन पुलिस मौन रही। कहीं भी पुलिस ने लाठीचार्ज नहीं किया।

संजय जायसवाल ने कहा कि बिहार में बीजेपी को टारगेट किया जा रहा है।

बिहार में भाजपा को टारगेट किया गया, 3 दफ्तर जलने के बाद भी पुलिस ने नहीं लिया एक्शन: संजय जायसवाल

पटना, 18 जून (का.सं.)। बिहार में नरेंद्र मोदी सरकार की अग्निपथ योजना के विरोध में हो रहे हिंसक प्रदर्शन के बीच भाजपा प्रदेश अध्यक्ष डॉक्टर संजय जायसवाल ने बड़ा बयान दिया है। संजय जायसवाल ने इस पूरे बवाल को लेकर पुलिस-प्रशासन की कार्यशैली पर सवाल उठाए हैं। संजय जायसवाल ने कहा है कि बिहार के तीन जिलों में बीजेपी दफ्तरों को जला दिया गया है लेकिन पुलिस ने कोई कार्रवाई नहीं की। संजय जायसवाल ने कहा कि बिहार में भाजपा को टारगेट किया जा रहा है। वहीं योजना को लेकर जेडीयू के विरोध पर संजय जायसवाल ने कहा कि उन्हें किस चीज से आपत्ति है, वह बताएं।

पटना में पत्रकारों से बातचीत करते हुए कहा कि संजय जायसवाल ने कहा कि इस मामले में सुनियोजित ढ़ंग से साजिश करते हुए बिहार को बदनाम किया जा रहा है। संजय ने कहा कि इस विरोध में पुलिस की भूमिका ठीक नहीं रही है। तीन जिलों में बीजेपी कार्यालयों में आग लगाई गई लेकिन पुलिस मौन रही। कहीं भी पुलिस ने लाठीचार्ज नहीं किया। संजय जायसवाल ने कहा कि बिहार में भारतीय जनता पार्टी को निशाने पर लिया जा रहा है। वहीं गठबंधन साथी जेडीयू के विरोध को लेकर संजय जायसवाल मे कहा कि अगर उन्हें किसी चीज पर आपत्ति है तो बताएं। अगर वे चाहेंगे तो चर्चा की जाएगी।

संजय जायसवाल ने आगे कहा कि देश में कहीं भी बिहार जैसा विरोध नहीं हो रहा है। बिहार बीजेपी अध्यक्ष ने कहा कि अगर प्रदेश की पुलिस सक्रिय रहती तो ये नौबत नहीं आती।

संजय जायसवाल ने कहा कि कहीं भी ना लाठीचार्ज किया गया, ना ही आंसू गैस के छोड़ी गई। जिस तरह प्रदर्शन के बहाने बीजेपी को टारगेट किया जा रहा है, वह सवाल खड़े करता है। संजय जायसवाल ने कहा कि हमने गृहसचिव और डीजीपी से इस मुद्दे पर बात भी की है।

जदयू से तनातनी के बीच केंद्र का फैसला, 12 बीजेपी नेताओं को वाई श्रेणी सुरक्षा

पटना, 18 जून (का.सं.)। बिहार में नरेंद्र मोदी सरकार की अग्निपथ योजना के विरोध में हो रहे उग्र प्रदर्शन के बीच गृह मंत्रालय ने बीजेपी के दोनों उप मुख्यमंत्री समेत 12 नेताओं को अतिरिक्त सुरक्षा दी है। जानकारी के मुताबिक यह सुरक्षा वाई कैटेगरी की होगी और इसकी कमान सीआरपीएफ के हाथ में होगी। जेडीयू से तनातनी के बीच केंद्र सरकार का यह बड़ा फैसला माना जा रहा है। केंद्र के इस फैसले से ठीक पहले बिहार बीजेपी अध्यक्ष संजय जायसवाल ने नीतीश कुमार सरकार की पुलिस और प्रशासन पर सवाल खड़े किए थे।

गौरतलब है कि बिहार भाजपा अध्यक्ष संजय जायसवाल ने पटना में पत्रकारों से बात करते हुए कहा था कि इस विरोध प्रदर्शन के दौरान भाजपा को टारगेट किया जा रहा है। तीन जिलों में बीजेपी के दफ्तर जला दिए गए लेकिन पुलिस वहां मौन रही। संजय जायसवाल ने कहा कि पुलिस-प्रशासन ने इस मामले में वैसे कार्रवाई नहीं की जिस तरह से करनी चाहिए थी। ना कहीं लाठीचार्ज हुआ और ना ही कहीं आंसू गैस छोड़ा गया।

बता दें कि बिहार में अग्निपथ योजना के खिलाफ चौथे दिन भी

युवाओं का प्रदर्शन जारी रहेगा। पिछले तीन दिनों से प्रदर्शन काफी उग्र हो चुका है। प्रदर्शनकारियों ने कई जिलों में जमकर तोड़फोड़ और ट्रेनों तक में आग लगा दी है। यहां तक की प्रदर्शनकारियों ने डिप्टी सीएम रेणु देवी और बिहार भाजपा अध्यक्ष संजय जायसवाल के घर पर भी हमला बोल दिया। साथ ही प्रदर्शनकारियों ने भाजपा कार्यालयों में भी आगजनी और तोड़फोड़ की है।

'पहले प्रहार फिर विचार' ठीक नहीं : वरुण गांधी

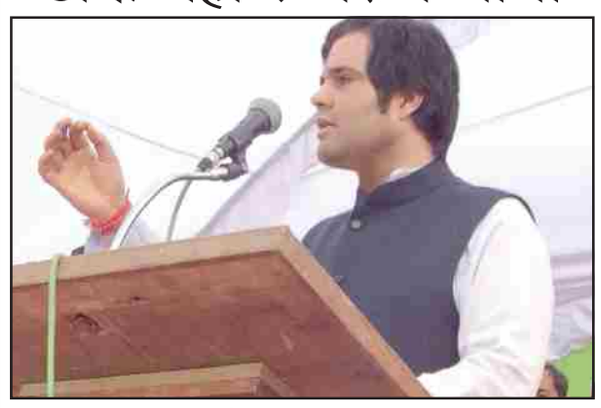

नई दिल्ली, 18 जून (एजेन्सी)। भाजपा सांसद वरुण गांधी ने एक बार फिर अपनी सरकार के ऊपर हमला बोला है। वरुण ने ताजा हमला अग्निपथ योजना में लगातार हो रहे बदलावों को लेकर बोला है। वरुण ने इसको लेकर ट्वीट किया है कि जिस तरह से इसमें कुछ घंटों के भीतर ही लगातार बदलाव किए गए हैं, उससे जाहिर होता है कि योजना बनाते समय सभी बिंदुओं को ध्यान में नहीं रखा गया। साथ ही उन्होंने सरकार की संवेदनशीलता पर भी सवाल उठाए हैं।

उत्तर प्रदेश के पीलीभीत से भाजपा सांसद वरुण गांधी ने अपने ट्वीट में लिखा है कि 'अग्निपथ योजना' को लाने के बाद महज कुछ घंटे के भीतर इसमें किए गए संशोधन यह दर्शाते हैं कि संभवत: योजना बनाते समय सभी बिंदुओं को ध्यान में नहीं रखा गया। इसके आगे वरुण सरकार की संवेदनशीलता पर सवाल उठाते हुए लिखते हैं कि जब देश की सेना, सुरक्षा और युवाओं के भविष्य का सवाल हो तो पहले प्रहार फिर विचार करना एक संवेदनशील सरकार के लिए उचित नहीं। वहीं 16 जून को वरुण गांधी ने अपने लेटर पैड पर लिखा एक पत्र जारी कर राजनाथ सिंह से अपील की थी। इस पत्र को ट्वीट करते हुए उन्होंने लिखा था कि आदरणीय राजनाथ सिंह जी, अग्निपथ' योजना को लेकर देश के युवाओं के मन में कई सवाल हैं। युवाओं को असमंजस की स्थिति से बाहर निकालने के लिए सरकार अतिशीघ्र योजना से जुड़े नीतिगत तथ्यों को सामने रख कर अपना पक्ष साफ करे। जिससे देश की युवा ऊर्जा का सकारात्मक उपयोग सही दिशा में हो सके।

इससे पहले कल भी वरुण गांधी ने एक वीडियो मैसेज करके प्रदर्शनकारियों से संयम बरतने की अपील की थी। वरुण गांधी ने लिखा था कि सैन्य अभ्यर्थियों के इस संघर्ष में मैं हर कदम पर उनके साथ खड़ा हूँ। आप सभी से विनम्र निवेदन है कि धैर्य से काम लें और लोकतांत्रिक मर्यादा बनाए रखते हुए अपने ज्ञापन विभिन्न माध्यमों से सरकार तक पहुँचाये। सुरक्षित भविष्य हर युवा का अधिकार है! न्याय होगा। बता दें कि यह पहली बार नहीं है जब वरुण गांधी अपनी ही सरकार के खिलाफ मुखर हुए हैं। इससे पहले किसान आंदोलन के समय भी वरुण ने केंद्र सरकार के खिलाफ लगातार आवाज उठाई थी।

NAGALAND STATE LOTTERIES

Draw Time: 08:00 PM

DEAR OSTRICH EVENING

Draw No:181 DrawDate on:18/06/22

1st Prize ₹1 Crore/- 98J 45396

Cons. Prize Rs.1000/- 45396 (REMAINING ALL SERIALS)

2nd Prize ₹9000/-

07410 10192 12021 33837 44571 51553 82065 90951 95341 99938

3rd Prize ₹450/-

1177 1251 3003 3568 4206 6843 7554 8059 9039 9469

4th Prize ₹250/-

1066 1207 2168 2230 6524 7180 8483 8559 9079 9441

5th Prize ₹120/-

0048 0100 0180 0201 0249 0285 0385 0394 0395 0534
0542 0899 0995 1117 1119 1272 1278 1333 1422 1653
1705 1777 1844 2096 2336 2643 2712 3205 3469 3496
3669 3670 3716 3881 3957 4053 4110 4186 4318 4467
4649 4881 5205 5253 5278 5393 5398 5432 5434 5538
5548 5584 5617 5771 5941 6000 6148 6340 6376 6390
6441 6534 6616 6655 6677 6687 6851 7046 7150 7311
7331 7346 7404 7572 7615 7819 7927 8032 8086 8129
8140 8310 8318 8400 8404 8512 8578 8651 8654 8774
8807 8812 8814 8926 8964 8994 9601 9609 9644 9923

ISSUED BY : THE DIRECTOR
NAGALAND STATE LOTTERIES, KOHIMA, NAGALAND
For Results, Please Visit : Www.Nagalandlotteries.Com
KINDLY CHECK THE RESULT WITH THE OFFICIAL GAZETTE

NAGALAND STATE LOTTERIES

Draw Time: 06:00 PM

DEAR MARS SATURDAY

Draw No:81 DrawDate on:18/06/22

1st Prize ₹1 Crore/- 82G 27833

Cons. Prize Rs.1000/- 27833 (REMAINING ALL SERIALS)

2nd Prize ₹9000/-

01109 05256 41373 46961 49253 63598 69909 72032 73343 99475

3rd Prize ₹450/-

0082 1354 1642 3192 6843 8216 8499 9021 9025 9553

4th Prize ₹250/-

0169 0933 1490 3112 3905 5631 6602 6885 7078 9956

5th Prize ₹120/-

0155 0488 0497 0889 1125 1160 1310 1437 1567 1700
1776 1875 1943 2080 2169 2224 2270 2316 2358 2422
2472 2606 2623 2651 2712 2781 3120 3173 3373 3389
3502 3627 3708 3882 3922 3951 4039 4063 4091 4395
4502 4548 4643 4777 4801 4830 4840 4853 5039 5120
5209 5215 5218 5226 5378 5440 5501 5523 5566 5599
5674 5945 6007 6068 6116 6172 6180 6249 6352 6619
6985 7013 7239 7269 7301 7338 7358 7369 7389 7405
7418 7471 7483 7531 7695 7786 7910 8150 8205 8508
8746 8857 9013 9434 9530 9613 9724 9743 9824 9951

ISSUED BY : THE DIRECTOR
NAGALAND STATE LOTTERIES, KOHIMA, NAGALAND
For Results, Please Visit : Www.Nagalandlotteries.Com
KINDLY CHECK THE RESULT WITH THE OFFICIAL GAZETTE

NAGALAND STATE LOTTERIES

Draw Time: 01:00 PM

DEAR KOSAI MORNING

Draw No:81 DrawDate on:18/06/22

1st Prize ₹1 Crore/- 82J 46583

Cons. Prize Rs.1000/- 46583 (REMAINING ALL SERIALS)

2nd Prize ₹9000/-

11353 14009 32381 55406 62577 66041 76410 77879 79670 82871

3rd Prize ₹450/-

1171 1670 2294 2913 4771 5089 7590 7693 9232 9925

4th Prize ₹250/-

0648 2635 2950 4734 6299 8273 8398 8720 8813 9512

5th Prize ₹120/-

0073 0123 0133 0152 0209 0353 0480 0528 0545 0705
0907 0911 0945 1027 1105 1115 1272 1322 1398 1587
1590 1635 1964 2205 2307 2308 2426 2722 2925 2931
3039 3043 3051 3206 3250 3257 3350 3423 3472 3551
3608 3621 3822 3889 4046 4053 4092 4100 4279 4323
4434 4849 5073 5249 5293 5525 5526 5803 5883 5895
5903 6112 6152 6183 6237 6248 6272 6280 6305 6355
6373 6433 6667 6678 6773 6920 6972 7069 7393 7527
7563 7688 7888 7907 7926 8069 8228 8261 8510 8582
8790 9081 9101 9151 9305 9315 9354 9830 9942 9948

ISSUED BY : THE DIRECTOR
NAGALAND STATE LOTTERIES, KOHIMA, NAGALAND
For Results, Please Visit : Www.Nagalandlotteries.Com
KINDLY CHECK THE RESULT WITH THE OFFICIAL GAZETTE

संपादकीय पृष्ठ

युवाओं की चिंता समझें

सेना में भर्ती की नई अग्निपथ स्कीम के खिलाफ देश के विभिन्न इलाकों में युवा सड़कों पर उतर आए हैं। विरोध की तीव्रता उन राज्यों में ज्यादा है, जहां से सेना में सबसे ज्यादा भर्तियां होती हैं। जाहिर है, युवाओं के गुस्से के पीछे मुख्यत: बढ़ी हुई बेरोजगारी से उपजी भविष्य की चिंता है। सेंटर फॉर मॉनिटरिंग इंडियन इकॉनमी (सीएमआईई) के अप्रैल 2022 के आंकड़ों के मुताबिक 15 से 19 साल उम्र के पुरुषों में बेरोजगारी का स्तर 50 प्रतिशत था। इन विरोध प्रदर्शनों की धुरी बिहार है, जहां इस उम्र समूह में बेरोजगारी का प्रतिशत 76 पाया गया। सेना में भर्ती इन युवाओं के लिए निश्चित करियर की गारंटी मानी जाती रही है। यही वजह है कि इन राज्यों के लाखों युवा कई-कई साल इसकी तैयारी में झोंक देते हैं। कोरोना के चलते दो साल वैसे भी बर्बाद हो गए। भर्ती की जो प्रक्रिया शुरू हुई थी, वह पूरी नहीं हुई। अब कहा जा रहा है कि ये अधूरी पड़ी प्रक्रियाएं निरस्त मानी जाएंगी। तीनों सेनाओं की सभी भर्तियां अब अग्निपथ स्कीम के तहत नए सिरे से शुरू की जाने वाली प्रक्रिया में की जाएंगी। युवाओं का गुस्सा भड़क उठने के पीछे इन तमाम कारकों की भूमिका है। सबसे बड़ी बात यह कि सेना की जो भर्ती युवाओं को आकर्षित करती थी, वह अब उन्हें चार साल के अंदर फिर से अनिश्चितता में डाल देने वाली योजना लग रही है।

बहरहाल, इन सबका मतलब यह नहीं है कि आधिकारिक घोषणा के बाद इस योजना को स्थगित कर देना चाहिए। योजना की खूबियों-खामियों पर काफी बात हो चुकी है। लेकिन उन सबसे अलग इस तथ्य से इनकार नहीं किया जा सकता कि भारतीय सेना पर पेंशन का बोझ असह्य हो गया है, जिसे कम करने की जरूरत है। 2020 की एक संसदीय समिति रिपोर्ट के मुताबिक, देश में 32 लाख पूर्व सैनिक पेंशनर हैं, जिनमें हर साल करीब 55 हजार का इजाफा हो जाता है। साल 2010-11 में पेंशन पर होने वाला खर्च कुल रक्षा खर्च का 19 फीसदी हुआ करता था, जो 2020-21 तक बढ़कर 26 प्रतिशत हो गया।

ध्यान रहे, पेंशन पर खर्च जितना बढ़ता है, सेना के आधुनिकीकरण पर खर्च की गुंजाइश उतनी ही कम हो जाती है। ऐसे में अगर सरकार ने तमाम अच्छे-बुरे पहलुओं पर विचार करते हुए अग्निपथ स्कीम अपनाने का फैसला किया तो उसे गलत नहीं कहा जा सकता, लेकिन इस पर अमल से पहले सरकार को न केवल युवाओं की संभावित प्रतिक्रिया का अंदाजा होना चाहिए था बल्कि उनकी चिंता दूर करने का कारगर प्रयास भी करना चाहिए था। योजना घोषित करने के बाद उम्र सीमा में दो साल छूट देने जैसी रियायतें काफी नहीं। अग्निपथ स्कीम के तहत चार साल बाद सेना से निकलने वाले युवाओं को अवसर मुहैया कराने के ऐसे ठोस उपाय जल्द से जल्द घोषित करने चाहिए, जिनसे उनकी भविष्य को लेकर चिंता कम हो।

अग्निपथ योजना अग्निपरीक्षा में सफल

सुजान आर. चिनॉय

हाल के वर्षों में, मोदी सरकार ने भारतीय सशस्त्र बलों को 21वीं सदी की चुनौतियों का सामना करने में सक्षम बनाने के लिए अत्याधुनिक तकनीकों के साथ एक आधुनिक युद्धक बल के रूप में तेजी से विकसित करने की दिशा में कई सार्थक कदम उठाकर रक्षा और राष्ट्रीय सुरक्षा पर विशेष ध्यान दिया है।

सैनिकों की भर्ती के लिए भारत सरकार की अग्निपथ योजना की घोषणा करना सही दिशा में एक और सकारात्मक कदम है। इनमें से अधिकांश सैनिक चार साल तक अपनी सेवा देंगे। प्रस्ताव के अनुसार विशेष रैलियों और परिसर में आयोजित साक्षात्कार के माध्यम से तीनों सेनाओं के लिए एक केंद्रीकृत ऑनलाइन प्रणाली द्वारा औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों जैसे मान्यताप्राप्त तकनीकी संस्थानों से 'अखिल भारतीय ऑल क्लास' (एआईएसी) पर आधारित 17.5 से 21 वर्ष की आयु के बीच अग्निवीरों की भर्ती की जाएगी। चिकित्सा योग्यता और कठोर प्रशिक्षण मानकों को बनाए रखा जाएगा और उनका चयन सशस्त्र बलों का एक विशेष डोमेन होगा। अग्निवीरों की एक अलग रैंक होगी। प्रत्येक विशिष्ट बैच में 25 प्रतिशत तक सर्वश्रेष्ठ अग्निवीरों को एक वस्तुनिष्ठ, पारदर्शी और योग्यता-आधारित मूल्यांकन के आधार पर, नियमित संवर्ग के लिए न्यूनतम 15 वर्षों के लिए चुना जाएगा।

यह योजना परिलब्धियों और भुगतान के मामले में उदार और आकर्षक दोनों है। सेवा से मुक्त होने पर, अग्निवीर एक विशेष योग्यता प्रमाणपत्र के धारक के रूप में नागरिक समाज में वापस आ जाएंगे और देश भर में उपलब्ध आत्मविश्वास से परिपूर्ण और अनुशासित मानव संसाधनों की रीढ़ बन जाएंगे। वैकल्पिक नौकरियों में प्लेसमेंट सहित समाज और आजीविका में उनका एकीकरण सक्रिय रूप से सुगम होगा, जिसमें उच्च शिक्षा के लिए क्रेडिट भी शामिल है। चौथे वर्ष में प्रति माह 40000 रुपये का एक समग्र पैकेज पाने के अलावा, उनमें से प्रत्येक को 11.71 लाख रुपये सेवा निधि पैकेज के माध्यम से, जिसमें उनके मासिक वेतन के 30 प्रतिशत के योगदान का मिलान सरकार द्वारा समान राशि से किया जाएगा। वास्तव में, उनके पास व्यक्तिगत बचत के अलावा, सेवा के बाद अपने सपनों को पूरा करने के लिए, आयकर से मुक्त एक बड़ी एकमुश्त राशि होगी।

उन्हें 48 लाख रुपये का जीवन बीमा कवर, मृत्यु के मामले में 44 लाख रुपये का अनुग्रह भुगतान और मृत्यु के मामले में शेष 4 साल की सेवा के लिए भुगतान मिलेंगे, जो बड़े ख़ूबसूरत पॉइंट हैं। 100/75/50 प्रतिशत विकलांगता के लिए क्रमश: 44/25/15 लाख रुपये का विकलांगता मुआवजा सबसे अधिक आश्वस्त करने वाला है।

भारत सरकार की यह पथ-प्रदर्शक पहल युवा, देशभक्त, शारीरिक रूप से फिट और अत्यधिक प्रेरित युवाओं की नियमित भर्ती और रोजगार का अवसर को खोल देगी, जो गर्व के साथ वर्दी पहनना चाहते हैं और कम समय के लिए राष्ट्र की सेवा करना चाहते हैं। इस साल कुल मिलाकर 46,000 अग्निवीरों की भर्ती की जाएगी।

सैनिकों के लिए 17 साल की 'कलर सर्विस' के परिणामस्वरूप एक अनुभवी और कठोर युद्ध क्षमता वाली सेना हो सकती है, लेकिन इसने एक उम्रदराज सेना भी बनाई जिसमें 60 प्रतिशत से अधिक पुरुष 30 वर्ष से अधिक आयु के हैं।

उदाहरण के तौर पर, यह ध्यान देने योग्य है कि 1978 में भारतीय सेना अन्य रैंकों (ओआर) के स्तर पर वर्तमान की तुलना में अधिक युवा थी, जिसमें कुल 8,45,025 पुरुषों में से 72.6 प्रतिशत सिपाही और 1.6 प्रतिशत सूबेदार थे। आज सिपाहियों की संख्या 40 प्रतिशत से नीचे गिर गई है। खासकर अधिक ऊंचाई वाले क्षेत्रों में जब शारीरिक रूप से जोरदार तैनाती की बात आती है, तो ऐसे में यह एक वांछनीय मिश्रण नहीं है। भारत के सशस्त्र बलों को छरहरा, फिटर और अधिक युवा होने की जरूरत है। वर्तमान में, नियमित पदोन्नति के कारण जूनियर कमीशंड अधिकारियों (जेसीओ) और समकक्ष रैंकों की संख्या आनुपातिक रूप से अधिक है। केवल सशस्त्र बलों को युवा रखने के लिए अधिक से अधिक संख्या में भर्ती करना स्पष्ट रूप से टिकाऊ नहीं है। अग्निपथ योजना युवा रंगरूटों की निरंतर भर्ती सुनिश्चित करते हुए इनकी कुल संख्या को नियंत्रित रखने में मदद करेगी।

दुनिया की सभी प्रमुख सेनाएं सुधार के दौर से गुजर रही हैं। कर्मियों की संख्या में कमी और आधुनिक हथियारों और उपकरणों पर पूंजीगत व्यय बढ़ाने पर जोर देने की ओर रुझान है। पीपुल्स लिबरेशन आर्मी (पीएलए) ने 1980 के दशक के बाद से बड़े पैमाने पर विमुद्रीकरण किया, आधुनिकीकरण पर ध्यान देने के साथ, कुल संख्या 4.5 मिलियन से घटाकर लगभग 2 मिलियन कर दी।

आज भारतीय सशस्त्र बलों के सामने सबसे बड़ी चुनौतियों में से एक कुल मिलाकर बजटीय बाधा है। यह इस तथ्य के बावजूद है कि मोदी सरकार ने विशेष रूप से पूर्वी लद्दाख में चीनी आक्रमण के बाद सशस्त्र बलों को आवश्यक हथियार और उपकरण उपलब्ध कराने में कोई कसर नहीं छोड़ी है। अत्यधिक वेतन और पेंशन बिलों ने सैन्य आधुनिकीकरण के लिए धन की उपलब्धता पर भारी दबाव डाला है।

भारत में अग्निपथ योजना का उद्देश्य पेंशन और ग्रेच्युटी पर समग्र बोझ में कमी लाने के साथ ही सशस्त्र बलों की एक युवा और तकनीक-प्रेमी प्रोफ़ाइल सुनिश्चित करना है।

हालांकि मनुष्य अब भी युद्ध के केंद्र में बना हुआ है परन्तु डिजिटल युग में संपर्क रहित युद्ध यह सुनिश्चित करता है कि भविष्य के युद्ध कुछ अलग ही तरीके से लड़े जाएंगे जिसमे कृत्रिम बुद्धिमत्ता, स्वचालित प्रणालियों, स्टैंड-ऑफ हथियारों, साइबर स्पेस और अंतरिक्ष-आधारित बुद्धिमत्ता निगरानी और सैन्य सर्वेक्षण (इंटेलिजेंस सर्विलांस एंड रीकानसन्स आईएसआर) एक महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं अपनी तकनीकी पृष्ठभूमि के चलते अग्निवीर भारतीय सशस्त्र बलों में कुशलता के कई अतिरिक्त सेट डालेंगे और इसके अलावा सैन्य सेवा औसत में भी 4-5 वर्ष कम हो सकेंगे।

दुनिया भर के कई आधुनिक सशस्त्र बलों में सक्रिय और आरक्षित सेवा के विकल्पों के साथ सेवा अवधि 2 से 8 वर्ष तक होती है। यह तर्क खोखला है कि छोटी अवधि की सेवा प्रशिक्षण, मनोबल और प्रतिबद्धता से समझौता कर सकती है। इज़राइली सेना में पुरुषों और महिलाओं के लिए क्रमश: 30 महीने और 22 महीने की सेवा अवधि है उसके बाद भी उसे दुनिया में सर्वश्रेष्ठ सेनाओं में से एक होने की प्रतिष्ठा प्राप्त है। संयुक्त राज्य अमेरिका (यूएस) और ब्रिटेन (यूके) में भी कम अवधि के सेवा अनुबंध हैं। फ्रांस में विशेषज्ञता के आधार पर एक से दस साल के बीच की छोटी अवधि के अनुबंध भी हैं। अग्निवीरों के लिए ऐसा प्रशिक्षण कई विश्व स्तरीय सशस्त्र बलों में प्रचलित समय सीमा के बराबर होगा।

अग्निपथ योजना के परिणामस्वरूप समाज के लिए एक हिंसक संकट खडा कर देने वाले युवा सैनिकों को विस्थापित करने की आशंका गलत है। अपनी आयु के 30 वर्ष वाले दशक में सेवा मुक्त होने वाले सैनिक अनिवार्य 'वर्दीधारी सेवा' के अंत में नियमित रूप से सेना छोड़ देते हैं और समाज के लिए कैसा भी खतरा नहीं बनते हैं। यह मानने का कोई कारण नहीं है कि बेहतर कौशल-सेट और प्रेरणा वाले छोटे लोगों को भी अलग तरह से व्यवहार करेंगे।

राष्ट्रीय राइफल्स (आरआर), गार्ड्स और पैराशूट रेजिमेंट जैसी विभिन्न सैन्य इकाइयों की एआईएसी संरचना ने अभी तक अच्छा काम किया है। ऐसा कोई कारण नहीं है कि भारतीय सेना की विभिन्न रेजिमेंटों में पूरे भारत से अग्निवीरों का समावेश उसी प्रकार समान रूप से न चल पाए। अग्निपथ योजना का एक बड़ा लाभ यह है कि यह युवाओं के लिए असंख्य अवसरों को खोलेगा और असैन्य-सैन्य संलयन को बढ़ावा देगा और इसके साथ ही सेवा से बाहर आने वाले युवा भारतीय सशस्त्र बलों की सर्वश्रेष्ठ रेजिमेंटल परंपराओं के योग्य प्रतिनिधि भी बनेंगे।

औपनिवेशिक युग के दौरान, ब्रिटिश जानबूझकर अक्सर फूट डालो और राज करो की नीति का उपयोग करते थे ताकि सशस्त्र बलों सहित, उनके हितों के साथ जुड़ने करने वाले हित समूह तैयार किए जा सकें। एआईएसी के माध्यम से बनने वाली मिश्रित रेजिमेंट निश्चित रूप से बदलते समय के अनुरूप हैं। भारतीय सशस्त्र बलों को साथ लेकर चलते हुए राष्ट्रीय एकता, सौहार्द और संबंध, जाति, समुदाय, धर्म, भाषा या प्रांतीय संबद्धता पर नहीं बल्कि एक देशभक्त भारतीय होने की अधिक न्यायसंगत धारणा पर आधारित होने चाहिए। अग्निपथ योजना उस आवश्यकता को समग्रता में पूरा करती है।

सैन्य सुधार की राह के अग्निवीर

राज्यवर्धन सिंह राठौड़

सत्ता संभालने के बाद से ही नरेंद्र मोदी सरकार की पहली प्राथमिकता रक्षा और राष्ट्रीय सुरक्षा रही है। देश के सशस्त्र बलों को अत्याधुनिक तकनीकी से सुसज्जित कर एक आधुनिक युद्धक बल के रूप में विकसित करने के लिए विगत आठ वर्षों में सरकार ने कई सार्थक कदम उठाए हैं। इसी कड़ी में एक नई क्रांतिकारी पहल है- अग्निपथ योजना! यह योजना देश के स्वर्णिम कल को साकार करने वाली। देश की वे युवा प्रतिभाएं, जो समकालीन तकनीकी प्रगति को लेकर जागरूक हैं, अग्निपथ योजना के अंतर्गत अग्निवीर के रूप में सेना का भाग बनने को आकर्षित होंगी। इससे भारतीय सेना तो आधुनिकतम और सर्वश्रेष्ठ बनेगी ही, चार वर्ष की सेवा के बाद जब ये युवा वहां से निकलकर आएंगे, तो इनके रूप में हमारे समाज को दक्ष, अनुशासित और प्रेरित मानव संसाधन मिलेगा।

अग्निपथ योजना शारीरिक रूप से स्वस्थ और उत्साह से परिपूर्ण देशभक्त युवाओं को सेना का गौरव धारण करने का अवसर देने वाली पहल है। इसके अंतर्गत 46,000 अग्निवीरों की भर्ती तीन महीने के भीतर कर ली जाएगी। लंबे समय से अनुभव किया जा रहा था कि भारतीय सेना को और अधिक युवा बनाना चाहिए।

यह उद्देश्य तभी पूरा हो सकता है, जब सेना में युवा शक्ति की नियमित भागीदारी सुनिश्चित हो पाए और अल्पवधि सेवा वाले सैनिकों की संख्या अधिक हो। अग्निपथ योजना इस लक्ष्य को पूरा करने में सक्षम होगी और युवा सैनिकों की निरंतर भर्ती का मार्ग प्रशस्त करेगी। भारतीय सेना के तीनों अंगों- थल सेना, वायु सेना और नौसेना में अखिल भारतीय सभी वर्ग, यानी एआईएसी के आधार पर भर्ती होगी और औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों जैसे मान्यता प्राप्त तकनीकी संस्थानों के जरिये केंद्रीकृत ऑनलाइन प्रणाली के साथ-साथ विशेष भर्ती अभियानों व परिसर साक्षात्कार के माध्यम से प्रक्रिया पूरी की जाएगी। इसमें स्वास्थ्य पात्रता व कठिन प्रशिक्षण मानकों का पूरा पालन किया जाएगा।

अग्निवीर के रूप में भर्ती किए जाने वाले इन नौजवानों के प्रत्येक बैच से 25 प्रतिशत सैनिकों को नियमित कैडर की सेवा में लिया जाएगा, जो योग्यता आधारित आकलन पर होगा और उनकी सैन्य सेवाएं न्यूनतम 15 वर्षों के लिए होंगी।

सैन्य सेवा से मुक्त होने के बाद जब ये अग्निवीर नागरिक जीवन में लौटकर आएंगे, तो उनके पास विशेष योग्यता प्रमाणपत्र होगा। इनके वैकल्पिक रोजगार या नौकरी की व्यवस्था के साथ समाज में सम्मिलन और आजीविका का प्रयास तो किया ही जाएगा, उच्च शिक्षा के इच्छुक अग्निवीरों की सहायता की जाएगी। केंद्रीय गृह मंत्रालय और अनेक राज्य सरकारों ने सैन्य सेवा से मुक्त होकर आने वाले इन युवाओं को अपने यहां सशस्त्र बलों में नियुक्ति में वरीयता देने की भी घोषणा की है।

आज विश्व की सभी प्रमुख सेनाएं सुधार की ओर अग्रसर हैं। वैश्विक रुझान यह है कि सैन्य कर्मियों की संख्या के बजाय सेना के लिए अत्याधुनिक हथियारों पर पूंजीगत व्यय बढ़ाया जाए। चीन तो 1980 से इस पर काम कर रहा है और उसने अपने सैनिकों की संख्या 45 लाख से घटाकर 20 लाख कर दी है। वह सैनिकों की संख्या घटाने के साथ तकनीक और प्रौद्योगिकी में व्यय करके सेना का आधुनिकीकरण कर रहा है। अच्छी बात यह है कि मोदी सरकार चीन से भी तेज गति से भारतीय सेना का आधुनिकीकरण कर रही है। मौजूदा डिजिटल युग में युद्ध कृत्रिम बुद्धिमत्ता यानी आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस की मदद से स्वचालित प्रणालियों, दूरस्थ केंद्रों से संचालित होने वाले शस्त्रों व अंतरिक्ष आधारित गोपनीय चौकसी व टोह आदि के जरिये लड़े जा रहे हैं। युवा व तकनीक के प्रति जागरूक अग्निवीरों की भर्ती से भारतीय सेना की यह आवश्यकता पूरी होगी। साथ ही, इससे भारतीय सैनिकों की औसत आयु चार-पांच वर्ष तक नीचे आ जाएगी। विश्व की आधुनिक सशस्त्र सेनाओं में सक्रिय सैन्य सेवा की औसत अवधि दो से आठ वर्ष तक है। दुनिया की उत्कृष्ट सेना कही जाने वाली इजरायल की सेना में पुरुष सैनिकों की औसत सैन्य सेवा मात्र 30 महीने और महिला सैनिकों की 22 माह की होती है। अमेरिका, ब्रिटेन, फ्रांस में भी सैनिकों की औसत सेवा एक से दस वर्ष तक ही होती है।

अग्निपथ योजना भारतीय सेना को दुनिया की सर्वश्रेष्ठ सेना बनाने की योजना का अंग है। अग्निवीरों को जो प्रशिक्षण दिया जाएगा, वह विश्व स्तरीय सशस्त्र बलों को दिए जाने वाले प्रशिक्षण के बराबर का होगा। देश की सेना को सशक्त करने की योजना तो पहले से ही चल रही है। सरकार ने रक्षा बजट लगभग दोगुना कर दिया है। वित्तीय वर्ष 2022-23 के बजट में रक्षा बजट को 5,25,166 करोड़ रुपये तक बढ़ाया गया है। हथियारों के मामले में दूसरे देशों पर निर्भरता से मुक्ति के लिए सरकार मेक इन इंडिया कार्यक्रम के तहत देश में ही रक्षा उत्पादन पर बल दे रही है। आत्मनिर्भर भारत योजना के अंतर्गत 101 रक्षा उपकरणों के आयात पर रोक लगा दी गई है।

इसी तरह, रक्षा उपकरणों का उत्पादन करने वाली कंपनियों में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश की सीमा बढ़ाकर 74 प्रतिशत कर दी गई है। सरकारी रक्षा कंपनियों के लिए वित्तीय वर्ष 2023 तक अपने कुल राजस्व का 25 प्रतिशत भाग निर्यात के जरिये जुटाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। 2022-23 के बजट में रक्षा पर व्यय की जाने वाली कुल राशि का 68 प्रतिशत देश में ही उत्पादित रक्षा उपकरणों पर खर्च किए जाने की व्यवस्था की गई। यही नहीं, भारत में रक्षा उत्पादन बढ़ाने के लिए 41 कंपनियों को मिलाकर सात नई कंपनियां बनाई गईं और रक्षा उत्पादन गलियारा बनाया जा रहा है।

अग्निपथ योजना हमारे सशस्त्र बलों में युवा प्रोफाइल को बढ़ाएगी और उनको उत्साह व भावना के नए संसाधन प्रदान करेगी। जाहिर है, इस तरह तकनीकी रूप से दक्ष सशस्त्र बलों की दशा-दिशा में आमूल-चूल परिवर्तन होगा।

चार वर्ष की सैन्य सेवा करके लौटे युवा राष्ट्र-निर्माण की थाती सिद्ध होंगे। अल्पकालिक सैन्य सेवा की दिशा में आगे बढ़ने का एक बड़ा लाभ यह भी है कि बाहरी व आंतरिक खतरों और प्राकृतिक आपदाओं के समय राष्ट्रीय सुरक्षा को बढ़ावा देने के लिए प्रशिक्षित मानव संसाधन उपलब्ध होंगे। अत: इस सराहनीय योजना के बारे में देश के नौजवानों और जनता को प्रेरित किया जाना चाहिए।

अल्पसंख्यकों की कैसे दूर होंगी आशंकाएं

रेवरेण्ड जेरोम डीसूजा

विधान के इस भाग में अल्पसंख्यकों के अधिकारों तथा मूलाधिकारों को इस प्रकार मिश्रित कर दिया गया है कि वे अलग भी नहीं हो सकते। श्रीमान मुझे विश्वास है कि यह मिश्रण उचित तथा आवश्यक है। आखिर, अल्पसंख्यक यही चाहते हैं कि व्यक्तियों के अधिकारों का पक्का संरक्षण होना चाहिए। यदि ऐसा किया जाए, तो अल्पसंख्यकों के अधिकारों की आवश्यकता ही न रह जाएगी और न इनकी मांग ही रह जाएगी। पर शासन की जनतंत्रात्मक प्रणाली में, जहां कि बहुसंख्यकों के मत से अल्पसंख्यकों के साथ अन्याय हो सकता है, अल्पसंख्यकों के अधिकारों का उल्लेख होना ही चाहिए। किंतु अपने धार्मिक विश्वासों को मानने का, अपनी सांस्कृतिक विशेषताओं को अपनाए रखने का व्यक्ति को अधिकार है।... अगर इन अधिकारों को अंतत: सुरक्षित रखा जाता है, तो अल्पसंख्यकाधिकारों की जो मांग है, वह अपने आप ही लुप्त हो जाएगी।

..हमारे देश की तथा हमारे नेताओं की इच्छा यह है कि इस विस्तृत देश में राजनीतिक एकरूपता लाने के लिए कदम बढ़ाया जाए। दुर्भाग्यवश अल्पसंख्यकों को राजनीतिक आरक्षण देने की आवश्यकता से उस राजनीतिक एकरूपता के टूटने का खतरा पैदा हुआ और कुछ मात्रा में तो वह टूट भी गई। किंतु स्मरण रहे कि यह आरक्षण धार्मिक और सांस्कृतिक और वैयक्तिक अधिकारों के कारण आवश्यक समझे गए थे, और केवल राजनीतिक विशेषाधिकारों अथवा उनसे प्राप्त हो सकने वाले परिलाभों के कारण आवश्यक नहीं समझे गए। और जब तक इन सांस्कृतिक तथा वैयक्तिक अधिकारों का आरक्षण होता है, तब तक हमें किसी राजनीतिक आरक्षण की जरूरत नहीं है।... मेरी प्रार्थना है कि हम सब लोग यह सर्वदा स्मरण रखें कि राजनीतिक बंटवारे तथा प्रादेशिक स्वतंत्रता के नारे तब तक और उस हद तक न उठाए जा सकेंगे, जिस समय तथा हद तक सर्वोच्च न्यायालय द्वारा अन्ततोगत्वा सुरक्षित ये अधिकार, अपने से संलग्न सब परिणामों सहित, ईमानदारी से लागू किए जाते हैं और पूरी तरह कार्यान्वित किए जाते हैं। हम ऐसा कुछ नहीं करेंगे, जिससे वह नारा पुन: उठे। जहां तक छोटी-सी ईसाई जाति का संबंध है, हमने काफी हद तक राजनीतिक आरक्षणों का परित्याग कर दिया है और हम और भी आगे बढ़कर स्थानों के उस आरक्षण को भी छोड़ने के लिए तैयार हैं...।

मुझे विश्वास है कि ऐसा समय आएगा, जब जो लोग विशेष सहायता मांगेंगे या जिन्हें उसकी जरूरत होगी, उन्हें वह प्राप्त हो जाएगी और इसके लिए जातीयता के आधार पर आरक्षणों अथवा अभिरक्षणों की जरूरत न होगी; जबकि हमारे कानून निर्माता तथा नेता वैयक्तिक मामलों पर विचार कर सकेंगे, जिसमें सांप्रदायिक अथवा सामाजिक पृष्ठभूमि का अवश्य ध्यान चाहे रखा गया हो, किंतु वह सहायता अथवा वह रियायत सब व्यक्तियों को दी जाएगी, किसी जाति अथवा वर्ग-विशेष तक सीमित न होगी। ऐसा होने पर ही और ऐसी भावना के आने पर ही हमारे वर्ग भेद- जहां तक कि वह राजनीतिक दृष्टि से भयावह हैं और राजनीतिक पार्थक्य पैदा करते हैं, दूर होंगे। दूसरी ओर, यदि सांस्कृतिक, धार्मिक व इस प्रकार के अन्य अधिकारों का अभिरक्षण कर दिया जाए, तो मैं कोई कारण नहीं देखता कि इस देश की विभिन्न तथा इसका विरंगापन, जो गत वर्षों में राजनीतिक निर्बलता का कारण रहा है, अब देश के लिए शक्ति तथा शान का कारण क्यों न बन जाए। हम सच्चे हृदय से भरोसा करते हैं कि जिस भावना से हमारे न्यायाधीश भविष्य में इन अधिकारों की व्याख्या करेंगे, उनका अर्थ निकालेंगे, तथा उन पर अमल करेंगे, जिस भावना से बहुसंख्यक जाति उनको क्रियान्वित करेगी, उससे अल्पसंख्यकों की सारी आशकाएं दूर हो जाएंगी तथा उन्होंने राजनीतिक अधिकारों के परित्याग कर देने का जो मार्ग अब जान-बूझकर चुना है, उसमें उन्हें प्रोत्साहन मिलेगा। तभी निकट भविष्य में ही, मैं दूर भविष्य की प्रतीक्षा नहीं करता, इन 33 करोड़ लोगों की राजनीतिक एकता एक तरफ हो जाएगी, और समस्त जातियों के लोग नागरिक समानता के आधार पर, किंतु अपने-अपने धर्म को मानते हुए, अपने विश्वासों तथा आदर्शों पर चलते हुए, और उन विश्वासों तथा निष्ठा से अपनी वैयक्तिक शक्ति प्राप्त करते हुए, हमारी मातृभूति की महानता तथा समृद्धि के लिए कंधे से कंधा मिलाकर एक साथ कार्य करेंगे।

मीडियम स्पाइसी के साथ मराठी में लौटीं राधिका

शल मीडिया पर वायरल हो रहा एक वीडियो क्लिप इशारा करता है कि अभिनेत्री राधिका आप्टे फिल्म मीडियम स्पाइसी के साथ अपनी मराठी जड़ों की ओर लौट रही हैं। फिल्म में ललित प्रभाकर, साईं तम्हंकर और परना पेठे हैं। सोशल मीडिया पर लीक हुई क्लिप से पता चलता है कि ललित और राधिका एक होटल में बैठकर बातें कर रहे हैं। इसके बाद जो हुआ वह दर्शकों के मन में एक रहस्य बना देता है। विकास के करीबी सूत्र के अनुसार, ऐसा इसलिए है क्योंकि निर्देशक मोहित टकलकर, एक प्रसिद्ध नाटककार और राधिका इससे पहले मराठी नाटकों में एक साथ काम कर चुके हैं। इससे पहले राधिका मराठी फिल्म घो माला असला हवा, तुकाराम और पोस्टकार्ड में नजर आ चुकी हैं, जो 2014 में रिलीज हुई थीं। मीडियम स्पाइसी आठ साल बाद मराठी सिनेमा में उनकी वापसी होगी। इस बीच, राधिका अपनी अगली रिलीज फोरेंसिक के लिए भी तैयार हैं, जिसमें विक्रांत मैसी भी हैं, जो जी5 पर रिलीज होगी।

निर्देशक शंकर ने रजनीकांत को बताया ब्लॉकबस्टर

सुपरस्टार रजनीकांत के साथ कुछ बड़ी ब्लॉकबस्टर फिल्में देने वाले निर्देशक शंकर षणमुगम ने बुधवार को अपनी फिल्म शिवाजी के 15 साल पूरे होने के मौके पर अभिनेता से उनकी बेटी के साथ मुलाकात की। शिवाजी, जो एक बड़ी ब्लॉकबस्टर बनकर उभरी थी। उस फिल्म में रजनीकांत एक एनआरआई की भूमिका निभा रहे थे, जो देश के गरीबों के लिए भी शिक्षा को सस्ती बनाने के सपने के साथ भारत लौटता है। रजनीकांत के साथ अपनी एक तस्वीर पोस्ट करते हुए शंकर ने ट्विटर पर कहा, शिवाजी के 15 साल पूरे होने के इस यादगार दिन पर हमारे शिवाजी द बॉस रजनीकांत सर से खुद मिलने के लिए उत्साहित हूं। आपकी ऊर्जा, स्नेह और सकारात्मक आभा ने मेरा दिन बना दिया। सूत्रों का कहना है कि अभिनेता के साथ निर्देशक की मुलाकात 45 मिनट तक चली। इस दौरान दोनों ने फिल्म उद्योग और शंकर की राम चरण के साथ आने वाली फिल्म सहित कई विषयों पर चर्चा की। शंकर की बेटी अदिति शंकर, पेशे से एक डॉक्टर, जो निर्देशक मुथैया की विरुमन के माध्यम से एक नायिका के रूप में अपनी शुरूआत कर रही हैं। उन्होंने भी इस अवसर पर क्लिक की गई सुपरस्टार के साथ अपनी एक तस्वीर पोस्ट की। उन्होंने लिखा, शिवाजी के 15 साल! खुद बॉस के साथ रजनीकांत सर।

भुल भूलैया 2 बॉक्स ऑफिस 175 करोड़ पार

भूल भुलैया 2 के बाद कई फिल्में रिलीज हुईं, लेकिन इनका कोई असर भूल भुलैया 2 पर देखने को नहीं मिला। चौथे सप्ताह में भी फिल्म को दर्शक मिल रहे हैं और यह फिल्म अभी भी सिनेमाघरों में टिकी हुई है, ये बहुत बड़ी बात है। कार्तिक आर्यन और कियारा आडवाणी अभिनीत इस फिल्म को दर्शकों का प्यार मिला है और यह बात बॉक्स ऑफिस कलेक्शन से साबित होती है। भूल भुलैया 2 ने 27 वें दिन 175 करोड़ रुपये का आंकड़ा पार कर लिया है। यह फिल्म 27 दिनों में अब तक 175.02 करोड़ रुपये का कलेक्शन कर चुकी है। वैसे तो कार्तिक आर्यन अभिनीत कुछ फिल्में सफल हुई हैं, लेकिन भूल भुलैया 2 उनके करियर की सबसे बड़ी हिट फिल्म साबित हो गई है। इस फिल्म के बाद कार्तिक आर्यन के स्टारडम में जबरदस्त उछाल आया है और बॉलीवुड के कई बड़े बैनर्स अब कार्तिक के साथ फिल्म बनाना चाहते हैं। भूल भुलैया 2 हॉरर प्लस कॉमेडी का मिश्रण है। इस फिल्म में हर उम्र और वर्ग के दर्शकों का ख्याल रखा गया है। अनीस बज्मी द्वारा निर्देशित इस मूवी में तब्बू, संजय मिश्रा, राजपाल यादव, मिलिंद गुणाजी जैसे कलाकारों ने भी अभिनय किया है।

10 साल छोटे बॉयफ्रेंड की दुल्हन बनने जा रही मृणाल देशराज

नागिन 3 और इश्कबाज जैसे सीरियल्स और कुछ फिल्मों में नजर आ चुकी एक्ट्रेस मृणाल देशराज ने दो दिन पहले ही अपनी इंगेजमेंट की जानकारी दी थी, जिसकी तस्वीरें सोशल मीडिया पर खूब वायरल हुई थीं। वहीं सगाई के बाद अब एक्ट्रेस ने अपनी शादी की तैयारियां भी शुरू कर दी हैं। मृणाल जल्द ही दुल्हन बनने वाली हैं। उनके घर में रस्मों का आगाज हो चुका है। हाल ही में उन्होंने अपनी मेहंदी सेरेमनी की तस्वीरें शेयर की हैं, जो इंटरनेट पर देखी जा रही हैं। इन तस्वीरों में देखा जा सकता है कि मृणाल देशराज ने हाथों पर कैमरे के सामने पिया के नाम की मेहंदी रचे हाथ फ्लॉन्ट कर रही हैं। इस दौरान वह पिंक आउटफिट में बेहद खूबसूरत लग रही हैं। फैंस को एक्ट्रेस का ये वीडियो खूब पसंद आ रहा है और वह उनके वेडिंग फंक्शन को देखने के लिए काफी उतावले हो रहे हैं। बता दें, 43 साल की मृणाल देशराज काफी समय से 10 साल छोटे आशिम मथन को डेट कर रही हैं। आशिम मथन हैल्थ एंड वेलनेस इंडस्ट्री का एक जानामाना नाम है। कपल जल्द ही अपने प्यार को नया नाम देने जा रहा है। वैसे बता दें कि मृणाल देशराज अब तक 4 बार प्यार में धोखा खा चुकी है और अब आखिर में जाकर उन्हें सच्चा साथी मिला है।

फिंगरटिप 2 जैसी सीरीज बनाने के लिए बहुत हिम्मत चाहिए : अपर्णा बालमुरली

चेन्नई आगामी वेब सीरीज फिंगरटिप 2 में मुख्य भूमिका निभाने वाली अभिनेत्री अपर्णा बालमुरली का कहना है कि मनोरंजक टेक थ्रिलर जैसी श्रृंखला बनाने के लिए बहुत साहस चाहिए जो लगातार बदलते डिजिटल स्थान से प्रभावित छह व्यक्तियों के जीवन के इर्द-गिर्द घूमती है। अभिनेत्री अपर्णा बालमुरली ने इसको लेकर कहा, जब मुझे फिंगरटिप 2 का हिस्सा बनने का अवसर मिला तो मुझे काफी सही लगा, इस तरह की सीरीज बनाने के लिए किसी को बहुत साहस और साहस की आवश्यकता होती है। यह श्रृंखला वास्तविक जीवन की घटनाओं को स्क्रीन पर देखने का प्रतिबिंब होगी। यह कहते हुए कि यह पहली बार है कि वह एक वेब श्रृंखला का हिस्सा थी, अभिनेत्री ने कहा कि निर्देशक ने कहानी को वैसे ही प्रस्तुत किया था जैसा उन्होंने सुनाया था। अभिनेत्री अपर्णा बालमुरली ने कहा, यह श्रृंखला कुछ ऐसी होगी जिससे हर कोई निकटता से जुड़ सकता है। मैं सभी से इस श्रृंखला को देखने और इसका समर्थन करने का अनुरोध करती हूं। ये सीरीज अरुण और जॉर्ज नांबी द्वारा निर्मित श्रृंखला, शिवाकर द्वारा निर्देशित की गई है।

देवोलीना आने वाली फिल्म कूकी के लिए बनीं पत्रकार

टीवी अभिनेत्री देवोलीना भट्टाचार्जी, जो वर्तमान में साथ निभाना साथिया 2 में नजर आ रही हैं। इसी के साथ अभिनेत्री प्रणब जे डेका द्वारा निर्देशित आगामी फिल्म कुकी में एक पत्रकार की भूमिका निभाने के लिए पूरी तरीके से तैयार हैं। अभिनेत्री देवोलीना भट्टाचार्जी कहती हैं, मैं इस फिल्म का हिस्सा बनने के लिए उत्साहित हूं। मैं नवनीता सेन के रूप में दिखूंगी, जो पेशे से एक पत्रकार हैं। यह पहली बार है जब मैं एक पत्रकार की भूमिका निभाने जा रही हूं। यह एक बहुत ही दिलचस्प किरदार है। मेरे दर्शक फिल्म में एक नया मुझे देखेंगे। फिल्म की कहानी एक बलात्कार पीड़िता पर आधारित है। गोपी बहू का प्रतिष्ठित किरदार निभाने और बाद में रियलिटी टीवी शो बिग बॉस में भाग लेने के लिए अपार लोकप्रियता हासिल करने वाली देवोलीना को लगता है कि पत्रकार हमारे समाज के बहुत महत्वपूर्ण सदस्य हैं। देवोलीना भट्टाचार्जी कहती हैं, पत्रकारों के प्रति मेरा हमेशा बहुत आभार रहा है। मुझे लगता है कि वे हमारे समाज के बहुत महत्वपूर्ण सदस्य हैं। वे वास्तव में हमें हर महत्वपूर्ण घटनाओं के साथ अद्यतन और शिक्षित रहने में मदद करते हैं। मुझे लगता है कि कई बार एक पत्रकार एक पीड़ित के लिए एक मामला जीतने और न्याय पाने के लिए महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। हालांकि पेशा एक बहुत ही जिम्मेदार है, मुझे लगता है कि व्यक्ति इसे उठा रहे हैं पेशे को समर्पित और वफादार रहना चाहिए क्योंकि उनके पास हमेशा कई महत्वपूर्ण चीजों की महत्वपूर्ण पहुंच होती है। कूकी में दीपानिता शर्मा, राजेश तैलंग, स्वास्तिका मुखर्जी, उदयन दुआरा भी हैं। इसकी शूटिंग असम के दो शहरों तेजपुर और गुवाहाटी में की जाएगी।

इंडियाज लाफ्टर चैंपियन का वीकेंड इस बार होगा पावर पैकेज

टीवी शो इंडियाज लाफ्टर चैंपियन, जिसका प्रीमियर पिछले हफ्ते हुआ था, इस वीकेंड फिर से नए कॉमेडियन पेश करेगा। इसके अलावा, आगामी फिल्म निकम्मा के कलाकारों भी मौजूद रहेंगे। शिल्पा शेट्टी, अभिमन्यु दसानी और शर्ली सेतिया शो के शनिवार के एपिसोड में शो की शोभा बढ़ाएंगे। अर्चना पूरन सिंह और शेखर सुमन जज कर रहे इस शो में शनिवार को गुरप्रीत घुग्गी और रविवार को सुरेश अलबेला कॉमेडी के सरपंच के रूप में नजर आएंगे। कॉमेडियन में जम्मू के अमित चुई दर्शकों को खूब हंसाएंगे और निकम्मा की कास्ट के साथ थिरकेंगे भी भांगड़ा से शुरू होकर निकम्मा के टाइटल ट्रैक तक अमित ने खास मेहमानों के साथ मस्ती की वहीं वाराणसी के अभय कुमार शर्मा डार्क ह्यूमर वाली कॉमेडी को एक नया अर्थ देंगे। मुंबई की प्रफुल्लित करने वाली जोड़ी भरत और सागर अपनी पंचलाइनों पर मेहमानों को मंत्रमुग्ध कर देंगी, जबकि मंच पर आने वाले सबसे उम्रदराज कॉमेडियन, प्रयागराज के राधा श्याम भारती अपनी बुद्धि से सभी को मंत्रमुग्ध कर देंगे। सोनी एंटरटेनमेंट पर इंडियाज लाफ्टर चैंपियन हर शनिवार और रविवार को रात 9.30 बजे प्रसारित होता है।

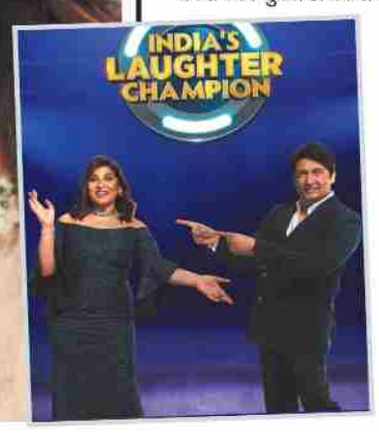

मलाइका लिखने जा रही हैं अपनी किताब

हिंदी सिनेमा जगत की अभिनेत्री मलाइका अरोड़ा अपनी फिटनेस को लेकर किताब लिखने जा रही हैं। इस किताब में स्वास्थ्य के साथ साथ दिनचर्या का भी जिक्र होगा जो कि दूसरे लोगों को प्रेरित करेंगी। पुस्तक के बारे में मलाइका अरोड़ा ने एक बयान में कहा, मेरा लक्ष्य हमेशा स्वास्थ्य और कल्याण के बारे में विचारों को सुविधाजनक बनाना रहा है। पुस्तक हमें बड़े पैमाने पर लोगों के साथ अपनी अंतर्दृष्टि साझा करने में मदद करेगी। उन्होंने कहा, मैं व्यक्तिगत रूप से हमारे व्यापक कल्याण में विश्वास करती हूं। सिर्फ एक पर ध्यान केंद्रित करने से दूसरे का समर्थन नहीं होता है। इसलिए विचार अच्छे स्वास्थ्य को अंदर से बढ़ावा देना है और हमने अभी तक सतह को मुश्किल से खरोंचा है। पुस्तक को द सनफ्लावर सीड्स लिटरेरी कंसल्टिंग द्वारा बनाया जा रहा है। पल्लवी बर्मन, संस्थापक, एलएपी वेंचर्स एन एक्सीड एंटरटेनमेंट ग्रुप कंपनी ने कहा, हम मलाइका के साहित्यिक क्षेत्र के लिए सनफ्लावर सीड्स के साथ साझेदारी करके खुश हैं। यह पुस्तक स्वास्थ्य, फिटनेस और मलाइका की भलाई पर ध्यान केंद्रित करने का विस्तार है। अरोड़ा वेंचर्स ने किया है। अरोड़ा ने कहा, एक उद्यमी के रूप में, एमएवीं ने पहले ही लेबल लाइफ, सर्व योग और अब न्यूड बाउल में निवेश किया है। एक लेखक के रूप में उनका उद्देश्य उन्हीं मूल्यों से निर्देशित होगा, जिन्हें वह एक उद्यमी के रूप में मानती हैं।

तीर्थ यात्रियों को ले जा रही बस पलटी, 9 ने गंवाई जान, 40 घायल

मेक्सिको सिटी। दक्षिणी मेक्सिको में तीर्थ यात्रियों को ला रही एक बस के पलट जाने से कम से कम नौ लोगों की मौत हो गई और 40 अन्य घायल हो गए। दक्षिणी चियापास राज्य में नागरिक सुरक्षा कार्यालय ने बताया कि दुर्घटना शुक्रवार सुबह टीला बस्ती में हुई। यात्री कॉर्पस क्रिस्टी पर्व में भाग लेने के बाद अपने गृह राज्य टबैस्को लौट रहे थे, तभी बस पलट गई। दुर्घटना के कारणों की अभी जांच की जा रही है।

फलस्तीनी लड़ाकों ने इजराइल पर दागा रॉकेट, किसी के हताहत होने की कोई सूचना नहीं

यरूशलम। फलस्तीनी लड़ाकों ने गाजा-इजराइल सीमा पर दो महीने की शांति के बाद शनिवार तड़के दक्षिणी इजराइल में एक रॉकेट दागा। इजराइली सेना ने कहा कि हवाई रक्षा प्रणालियों ने मिसाइल को बीच में ही रोक लिया। प्रणालियों ने अशकेलोन में चेतावनी सायरन को सक्रिय कर दिया। इस दौरान किसी के हताहत होने की कोई सूचना नहीं है। फिलहाल किसी फलस्तीनी समूह ने रॉकेट प्रक्षेपण की जिम्मेदारी नहीं ली है। इजराइल अपने कब्जे वाली गाजा पट्टी से होने वाले इस तरह के हमलों के लिए अक्सर हमास समूह को जिम्मेदार ठहराता है। इससे पहले, शुक्रवार को इजराइली सेना ने वेस्ट बैंक में एक हमला किया था, जिसमें तीन फलस्तीनी मारे गए थे और आठ अन्य घायल हो गए थे। माना जा रहा है कि संभवत: इसी हमले के जवाब में गाजा से रॉकेट दागा गया है।

यूक्रेन- मारियुपोल में रूसी सैनिकों की बर्बरता दर्शाने वाला वीडियो बनाने वाली डॉक्टर को रूस ने किया आजाद

तेलिन, एस्टोनिया । युद्धग्रस्त देश यूक्रेन पर रूस के भीषण हमले जारी है यहां की एक ख्यात डॉक्टर, जिन्होंने मारियुपोल में युद्ध के बाद के हालात से जुड़ा एक वीडियो बनाया था, उन्हें रूस की सेना ने तीन महीने तक बंदी बनाए रखने के बाद मुक्त कर दिया है। यूलिया पाइवस्का को यूक्रेन में तायरा के नाम से जाना जाता है। उन्होंने एक कैमरे का इस्तेमाल करते हुए रूस और यूक्रेन के सैनिकों सहित अन्य घायलों को बचाने के लिए दो सप्ताह तक अपनी टीम द्वारा किए गए प्रयासों का वीडियो बनाया था। तायरा ने 15 मार्च को यह वीडियो एपी के पत्रकारों के हवाले कर दिया था। एपी की जांच के अनुसार, तायरा और उनके एक सहयोगी को 16 मार्च को रूस की सेना ने बंदी बना लिया था और उसी दिन सिटी सेंटर में रूस द्वारा किए गए हवाई हमले में लगभग 600 लोग मारे गए थे। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने राष्ट्र के नाम दिए एक संबोधन में तायरा की रिहाई की घोषणा की। उन्होंने कहा, मैं इसके लिए काम करने वाले सभी लोगों का आभारी हूं। तायरा घर पहुंच चुकी हैं। हम सभी लोगों को मुक्त कराने की दिशा में काम करते रहेंगे।

पाक ने 34 में 32 शर्तें पूरी कीं, ग्राउन्ड वेरीफिकेशन के बाद अगली बैठक में लेंगे ग्रे लिस्ट से निकालने का फैसला: एफएटीएफ

इस्लामाबाद । फाइनेंशियल एक्शन टास्ट फोर्स (एफएटीएफ) ने पाकिस्तान को इस बार भी ग्रे लिस्ट में बरकरार रखा है। एफएटीएफ ने कहा पाकिस्तान ने 34 शर्तों में से 32 को पूरा किया है और बाकी की दो को लेकर अनुपालन रिपोर्ट सौंपी है। हमारी टीम पाकिस्तान का दौरा कर उनके वादों का ग्राउंड वेरिफिकेशन करेगी। उसके बाद ही फरवरी 2023 में होने वाली अगली बैठक में पाकिस्तान को ग्रे लिस्ट से बाहर निकालने पर फैसला किया जाएगा। इस बयान के बाद पाकिस्तान में जमकर खुशिया मनाई जा रही हैं। पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान ने एफएटीएफ के हालिया फैसले को लेकर अपनी पीठ खूब थपथपाई। इमरान खान ने कहा कि एफएटीएफ ने फरवरी 2018 में पाकिस्तान को ग्रे लिस्ट में डाला था। उसके बाद हमें किसी भी देश को दी गई अब तक की सबसे चुनौतीपूर्ण कार्ययोजना को पूरा करने की जिम्मेदारी सौंपी गई। जब मेरी सरकारी सत्ता में आई तो हमें एफएटीएफ की काली सूची में आने की गंभीर आशंका का सामना करना पड़ा। एफएटीएफ के साथ हमारा पिछला अनुभव भी सही नहीं था। उन्होंने आगे कहा कि मैंने अपनी सरकार में मंत्री हम्माद अजहर की अध्यक्षता में एक एफएटीएफ समन्वय समिति का गठन किया। समिति में हमारी एफएटीएफ कार्य योजना से संबंधित सभी सरकारी विभागों और सुरक्षा एजेंसियां शामिल थीं। एफएटीएफ की ब्लैक लिस्ट से बचने के लिए अधिकारियों ने पहली बार दिन-रात काम किया। इमरान ने दावा किया कि एफएटीएफ ने बार-बार काम और मेरी सरकार की राजनीतिक इच्छाशक्ति की प्रशंसा की।

इमरान खान ने कहा कि हमने न केवल ब्लैकलिस्टिंग को टाला, बल्कि 34 में से 32 एक्शन आइटम को भी पूरा किया। हमने अप्रैल में शेष 2 बिंदुओं पर अनुपालन रिपोर्ट प्रस्तुत की जिसके आधार पर एफएटीएफ ने अब पाकिस्तान की कार्य योजना को पूर्ण घोषित कर दिया। उन्होंने दावा किया कि मुझे विश्वास है कि हमारी कार्य योजना पर पूर्ण कार्य की पुष्टि करने के लिए एफएटीएफ टीम का ऑनसाइट दौरा भी सफलतापूर्वक पूरा हो जाएगा। उन्होंने हम्माद अजहर, उनकी एफएटीएफ समन्वय समिति के सदस्य और इस कार्य पर काम करने वाले अधिकारियों की जमकर तारीफ की। इमरान ने कहा कि सभी अधिकारियों और कमेटी के सभी सदस्यों ने असाधारण रूप से अच्छा प्रदर्शन किया। पूरे देश को आप पर गर्व है।

अमेरिका में आई विशाल बादलों की सुनामी का वीडियो देख डरे लोग

वॉशिंगटन। अमेरिका के ओहियो प्रांत में बादलों की विशाल सुनामी का एक वीडियो इन दिनों खूब वायरल हो रहा है। यह वीडियो ओहियो के सिनसिनाटी से सटे एक इलाके का बताया जा रहा है। वीडियो में दिखाई दे रहे बादलों के डरावने झुंड सुनामी की लहरों की तरह चलते दिखाई दे रहे हैं। इस अद्वितीय वीडियो को देखने के बाद लोग भी कुछ क्षण के लिए भ्रमित हो गए। उन्हें लगा कि शायद सच में आसमान में लहरें उठ रही हैं, लेकिन वह तो बादलों की अनोखी चाल थी। हाल ही में शेयर किए गए इस वीडियो को सोशल मीडिया में लगभग 10 लाख बार देखा जा चुका है। इन अजीबोगरीब विशाल बादलों ने पूरे क्षेत्र में सुनामी का डर फैला दिया। इस वीडियो को एक स्थानीय निवासी ने अपने मोबाइल से शूट किया और ट्विटर पर शेयर कर दिया। जिसके बाद से सोशल मीडिया में यह वीडियो चर्चा का विषय बन गया। इस वीडियो को सबसे पहले रेडिट पर शेयर किया गया था। इस पोस्ट का कैप्शन था कि मुझे ऐसा लग रहा था कि यह सुनामी है, मैंने पहले कभी इस तरह के बादल नहीं देखे। रेडिट पर भी इसे 10 लाख से ज्यादा लोग देख चुके हैं। इस दुर्लभ मौसमी घटना को रोलिंग क्लाउड या आर्कस क्लाउड कहा जाता है। मौसम विभाग के अनुसार आर्कस क्लाउड के साथ आमतौर पर शक्तिशाली गरज, तेज आंधी वाली हवाएं, भारी बारिश या गरज और बिजली जरूर आती है। ऐसे में उस इलाके में आम जनजीवन को काफी नुकसान पहुंचता है।

सांसद बेरा ने किया गांधी-किंग स्कॉलरली एक्सचेंज इनिशिएटिव शुरू करने का स्वागत

वाशिंगटन । भारतीय-अमेरिकी सांसद डॉ. एमी बेरा ने अमेरिकी विदेश मंत्रालय द्वारा गांधी-किंग स्कॉलरली एक्सचेंज इनिशिएटिव शुरू किए जाने का स्वागत किया है। इस कार्यक्रम का मकसद महात्मा गांधी और डॉ. मार्टिन लूथर किंग जूनियर की विरासत और उनके जीवन का अध्ययन करके सामाजिक न्याय एवं नागरिक अधिकारों को आगे ले जाने के लिए भारत और अमेरिका के युवा नेताओं को साथ लाना है। प्रतिनिधि सभा के दिवंगत सदस्य जॉन लुइस ने इसका समर्थन किया था। बेरा ने कहा कि अमेरिकी कांग्रेस में सबसे अधिक समय तक सेवाएं देने वाले भारतीय-अमेरिकी सदस्य होने के नाते मैं इस बात को लेकर बहुत उत्साहित हूं कि अमेरिकी विदेश मंत्रालय ने गांधी-किंग स्कॉलरली एक्सचेंज इनिशिएटिव की आधिकारिक रूप से शुरूआत की, जिसे दिवंगत महान सांसद जॉन लुइस ने समर्थन दिया था। बेरा अमेरिकी प्रतिनिधि सभा में सबसे अधिक समय तक सेवाएं देने वाले भारतीय अमेरिकी हैं। बेरा ने कहा कि गांधी और डॉ. किंग ऐसे महान व्यक्ति थे, जिन्होंने नागरिक अधिकारों और सामाजिक न्याय के लिए अपना जीवन समर्पित कर दिया। गांधी और डॉ. किंग की विरासतों की खोज करके, यह विनिमय कार्यक्रम भारत और अमेरिका में युवा नेताओं को इन मूल्यों को भावी पीढ़ियों के लिए आगे बढ़ाने में सशक्त बनाएगा। गांधी-किंग स्कॉलरली एक्सचेंज इनिशिएटिव भारत और अमेरिका के लोगों के बीच संबंधों को और मजबूत करेगा।

यूएसएड प्रमुख भारतीय सामाजिक कार्यकर्ता निखिल डे से मिले

वाशिंगटन । अंतरराष्ट्रीय विकास के लिए अमेरिका एजेंसी (यूएसएड) की प्रशासक और बाइडन प्रशासन की एक शीर्ष अधिकारी सामंथा पावर ने लोकतंत्र के सामने आने वाली चुनौतियों पर चर्चा करने के लिए भारतीय सामाजिक कार्यकर्ता निखिल डे से मुलाकात की। पावर ने भारत में मजदूर किसान शक्ति संगठन (एमकेएसएस) और नेशनल कैंपेन फॉर पीपुल्स राइट टू इंफॉर्मेशन (एनसीपीआरआई) के संस्थापक सदस्य निखिल डे से मुलाकात की। डे ओपन गवर्नमेंट पार्टनरशिप स्टीयरिंग कमेटी के पूर्व सदस्य भी हैं। दोनों के बीच यहां बैठक हुई। एक बयान में कहा गया है कि पावर और डे ने भारत और दुनिया भर में लोकतंत्र और भ्रष्टाचार विरोधी कार्यों के सामने आने वाली चुनौतियों पर चर्चा की।

यूक्रेन की राजधानी कीव के मायखाइलिवस्का स्कायर में ब्रिटिश प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन और यूक्रेन के राष्ट्रपति व्लादिमीर ज़ेलेंस्की युद्ध में नष्ट हुए रुसी सैन्य वाहनों और हथियारों की एक प्रदर्शनी का अवलोकन करते हुए।

संसद परिसर में अवैध रुप से प्रवेश करने पर सात लोगों को गिरफ्तार किया

वाशिंगटन । अमेरिका की कैपिटल (संसद परिसर) पुलिस ने शुक्रवार को बताया कि अधिकारियों ने गुरुवार रात कांग्रेस कार्यालय की इमारत में अनधिकृत रूप से प्रवेश करने वाले सात लोगों को गिरफ्तार कर उन पर गैर-कानूनी प्रवेश का आरोप तय किया है। नाम न जाहिर करने की शर्त पर उक्त मामले से परिचित एक व्यक्ति ने बताया कि गिरफ्तार किए गए लोगों ने कहा था कि उनका संबंध सीबीएस के एक कार्यक्रम लेट शो विद स्टीफन कोलबर्ट से है। एक अन्य व्यक्ति ने उन नौ लोगों की सूची प्रदान की, जिन्हें पुलिस ने रोका था। इनमें 'ट्रंफ द इंसल्ट कॉमिक डॉग' के निर्माता रॉबर्ट स्मिगेल सहित कई अन्य निर्माता शामिल थे। यह घटना गुरुवार रात संसदीय समिति द्वारा छह जनवरी 2021 को कैपिटल परिसर में हुई हिंसा की जांच करने वाली तीसरी जन सुनवाई के बाद हुई। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि उन्हें रात लगभग साढ़े आठ बजे लॉन्गवर्थ हाउस ऑफिस में गड़बड़ी की सूचना मिली थी। पुलिस ने एक बयान जारी कर कहा अधिकारियों ने छठी मंजिल पर सात व्यक्तियों को देखा, जो बिना पहचान पत्र और सुरक्षा घेरे के वहां मौजूद थे। इमारत आगंतुकों के लिए बंद थी और इन लोगों को दिन में ही इमारत से निकलने का निर्देश दिया गया था।

तेल के खेल में होगा बदलाव, अब भारत ने रूस को दिया ये बड़ा ऑफर

संयुक्त राष्ट्र। (एजेंसी)।

यूक्रेन युद्ध के बीच भारत और रूस के बीच दोस्ती के कई नए पहलू सामने आए हैं। अमेरिका जैसे ताकतवर देशों के दबाव के बावजूद भारत ने रूस के साथ अपने ताल्लुकात और ज्यादा मजबूत किए हैं। अब इस दोस्ती में एक ऐसा मुकाम आ सकता है जो अपने आप में बड़ी बात होगी। अब भारत रूस के साथ अपने व्यापार को और भी ज्यादा रफ्तार देने की योजना बना रहा है। भारत ने रूस के सामने रुपये में व्यापार करने का प्रस्ताव रखा है। दरअसल, भारत ने रूस से तेल और हथियारों के खरीद की बात रखी है। इस मामले से वाकिफ एक शख्स ने ब्लूमबर्ग को ये बात कही है। शख्स के मुताबिक भारत की रूस के सरकारी नियंत्रण वाले वीटीबी बैंक पीजेएससी और सबरबैंक पीजेएससी में जमा लगभग 2 अरब डॉलर के इस्तेमाल की योजना है।

ब्लूमबर्ग की रिपोर्ट के मुताबिक जल्द ही भारत और रूस के बैंक के अधिकारियों की मुलाकात होने वाली है। जिसमें दोनों देशों के बीच होने वाले व्यापार की पेमेंट की मैकेनिज्म पर चर्चा की जाएगी। इस दौरान भारत रूस के सामने रुपये में पेमेंट का प्रस्ताव रख सकता है। यानी भारत रूस के साथ जो भी खरीद करेगा उसका भुगतान रुपये में ही होगा। इससे पहले अमेरिकी पाबंदियों के चलते दोनों देशों के बीच व्यापार के लिए रुपया-रूबल समझौता किया गया था। लेकिन युद्ध के बाद लगी पाबंदियों के

चलते रूस की करेंसी रूबल की पोजीशन स्थिर नहीं है। इसलिए भारत इस व्यापार को भारत की मुद्रा यानी रुपये में करने पर जोर दे रहा है।

रूस के सस्ते तेल से भारत को मदद मिल सकती है। मार्च 2022 को खत्म हुए वित्त वर्ष में भारत का रूस के साथ व्यापार घाटा 6.61 अरब डॉलर का रहा. दोनों देशों के बीच कुल व्यापार 13.1 अरब डॉलर का है। भारत अपना बहीखाता ठीक करने के लिए फार्मास्युटिकल्स, प्लास्टिक और केमिकल जैसे उत्पादों के निर्यात पर जोर दे रहा है। भारत, रूस के हथियारों का दुनिया में सबसे बड़ा खरीदार है। इसी वजह से अमेरिका और ऑस्ट्रेलिया लगातार भारत पर दबाव बना रहे हैं कि वह रूस का तेल नहीं खरीदे।

काबुल :सिख गुरुद्वारा रोड पर हुए दो विस्फोट, पूरे इलाके को किया गया सील

काबुल। (एजेंसी)।

अफगानिस्तान की राजधानी काबुल में शनिवार को एक सिख गुरुद्वारे के पास एक व्यस्त सड़क पर कम से कम दो विस्फोट हुए। स्थानीय मीडिया ने यह जानकारी दी। टोलो न्यूज ने धमाके का वीडियो साझा करते हुए ट्वीट किया कि विस्फोट काबुल के कार्ते परवान इलाके में हुआ। कार्ते परवान गुरुद्वारा उसी क्षेत्र में स्थित है। फिलहाल विस्फोट में मारे गए लोगों की संख्या पता नहीं चल पाई है। विदेश मंत्रालय (एमईए) ने ट्वीट किया, हम काबुल शहर में एक पवित्र गुरुद्वारे पर हुए हमले की घटना से बहुत चिंतित हैं। हम स्थिति की बारीकी से निगरानी कर रहे हैं और आगे की घटना के बारे में अधिक जानकारी की प्रतीक्षा कर रहे हैं।

चीन की स्थानीय समाचार एजेंसी शिन्हुआ ने एक प्रत्यक्षदर्शी के हवाले से कहा, हमने स्थानीय समयानुसार सुबह करीब छह बजे कार्ते परवान इलाके में विस्फोट की आवाज सुनी। पहले विस्फोट के लगभग आधे घंटे के बाद दूसरा विस्फोट हुआ। फिलहाल पूरे इलाके को सील कर दिया गया है।

उसने बताया कि सुरक्षा बलों ने एहतियात के तौर पर इलाके की घेराबंदी कर दी है। प्रत्यक्षदर्शी के मुताबिक, विस्फोट के कारण आसमान में धुएं का गुबार फैल गया। हमले के बाद से पूरे इलाके में दहशत का माहौल है। उसने कहा, विस्फोट में बड़ी संख्या में लोगों के मारे जाने की आशंका है। सुरक्षा बलों द्वारा चेतावनी के लिए कई गोलियां दागी गईं। हालांकि, धमाकों को लेकर अभी तक कोई आधिकारिक बयान नहीं आया है। सिख समुदाय के नेताओं का अनुमान है कि तालिबान शासित अफगानिस्तान में सिर्फ 140 सिख बचे हैं, जिनमें से ज्यादातर पूर्वी शहर जलालाबाद और राजधानी काबुल में हैं।

ब्रिटिश सरकार के द्वारा, जूलियन असांजे को अमेरिका प्रत्यर्पित किए जाने की मंजूरी दे दी

लंदन (एजेंसी)।

ब्रिटिश सरकार ने जासूसी के आरोपों में विकीलीक्स के संस्थापक जूलियन असांजे को अमेरिका प्रत्यर्पित किए जाने की मंजूरी दे दी है। हालांकि वह इसके खिलाफ अपील कर सकते हैं। गृह मंत्रालय ने कहा कि गृह मंत्री प्रीति पटेल ने प्रत्यर्पण आदेश पर हस्ताक्षर कर दिए हैं। इससे पहले ब्रिटेन की अदालत ने अप्रैल में व्यवस्था दी थी कि असांजे को अमेरिका प्रत्यर्पित किया जा सकता है। गृह विभाग ने कहा कि ब्रिटेन की अदालतों ने यह नहीं पाया है कि ''असांजे का प्रत्यर्पण दमनकारी, अन्यायपूर्ण या प्रक्रिया का दुरुपयोग होगा। अमेरिका भेज जाने से बचने के लिए असांजे की वर्षों तक चली कानूनी लड़ाई में यह एक बड़ा मोड़ है। हालांकि असांजे के प्रयासों का यह अंत नहीं है और उनके पास इसके खिलाफ अपील करने के लिए 14 दिन का समय है। ब्रिटेन के एक न्यायाधीश ने अप्रैल में असांजे के प्रत्यर्पण को मंजूरी देकर अंतिम निर्णय सरकार पर छोड़ दिया था। यह निर्णय ब्रिटेन के उच्चतम न्यायालय तक पहुंची कानूनी लड़ाई के बाद आया। अमेरिकी अभियोजकों का कहना है कि असांजे ने गोपनीय राजनयिक केबल और सैन्य फाइल चुराने में अमेरिकी सेना के खुफिया विश्लेषक चेल्सी मैनिंग की मदद की, जिन्हें बाद में विकीलीक्स ने प्रकाशित किया, जिससे लोगों का जीवन जोखिम में पड़ गया।

भारत के प्रति नहीं बदलेगी पाकिस्तान की नीति, विदेश मंत्री बिलावल भुट्टो जरदारी का बयान

इस्लामाबाद। (एजेंसी)।

पाकिस्तान ने शुक्रवार को कहा कि भारत के प्रति उसकी नीति में कोई बदलाव नहीं आया है। नयी दिल्ली के साथ संबंध पुनर्स्थापित करने की विदेश मंत्री बिलावल भुट्टो जरदारी के जोरदार हिमायत करने पर स्थिति स्पष्ट करने की कोशिश करते हुए यह कहा गया। पाकिस्तान ने जोर देते हुए कहा कि उनकी टिप्पणी को गलत रूप में पेश किया गया। बिलावल ने बृहस्पतिवार को कहा था कि भारत के साथ संबंध तोड़ना पाकिस्तान के हित में नहीं होगा क्योंकि इस्लामाबाद अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अलग-थलग पड़ चुका है।

बिलावल की टिप्पणी पर मीडिया में आई खबरों पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए विदेश कार्यालय ने एक बयान में कहा, ''भारत के प्रति पाकिस्तान की नीति में कोई बदलाव नहीं आया है और इस पर राष्ट्रीय आमराय है।

पाकिस्तान ने सदा ही भारत सहित अपने सभी पड़ोसियों के साथ सहयोगी संबंधों की इच्छा जताई है। हमने जम्मू कश्मीर विवाद सहित सभी लंबित मुद्दों के हल के लिए सार्थक और नतीजे देने वाली वार्ता की हिमायत की है।'' बयान में कहा गया है कि बिलावल की टिप्पणी की संदर्भ से हट कर व्याख्या की गई और उसे गलत रूप में पेश किया गया। विदेश मंत्रालय ने कहा कि सार्थक और नतीजे देने वाली वार्ता के लिए उपयोगी माहौल बनाने के वास्ते आवश्यक कदम उठाने की जिम्मेदारी भारत की है।

पाक आतंकी मक्की को वैश्विक आतंकी घोषित करने में चीन ने डाला अड़ंगा

बीजिंग (एजेंसी)।

चीन ने पाकिस्तानी आतंकवादी अब्दुल रहमान मक्की को संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) द्वारा वैश्विक आतंकवादी घोषित कराने के भारत और अमेरिका के संयुक्त प्रस्ताव को रोकने के अपने कदम का शुक्रवार को बचाव किया। चीन ने कहा उसका यह कदम संबद्ध प्रक्रिया एवं नियमों के अनुरूप है। मक्की, लश्कर ए तैयबा के सरगना एवं मुंबई हमलों के मास्टरमाइंड हाफिज सईद का करीबी रिश्तेदार है।

भारत और अमेरिका 'संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की 1267 आईएसआईएल और अल कायदा प्रतिबंध समिति' के तहत मक्की को एक वैश्विक आतंकवादी घोषित कराने के लिए संयुक्त प्रस्ताव लाए थे, लेकिन पाकिस्तान के करीबी सहयोगी चीन ने आखिरी क्षणों में इसे रोक दिया। चीनी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता वांग वेनबिन ने कहा कि मैं कहना चाहूंगा कि चीन आतंकवाद के सभी स्वरूपों का विरोध करता है और यूएनएससी में 1267 समिति में हमारे द्वारा की जाने वाली कार्रवाई ने हमेशा ही संबद्ध प्रक्रिया एवं नियमों का पालन किया है।

उन्होंने कहा चीन एक रचनात्मक और जिम्मेदाराना रवैये के साथ अपना कार्य जारी रखेगा। हालांकि, उन्होंने विशेष रूप से प्रक्रिया और नियमों के बारे में विस्तार से बताने के लिए आग्रह करने पर टिप्पणी करने से इनकार कर दिया। उन्होंने कहा मैं चीन का रुख पहले ही स्पष्ट रूप से साझा कर चुका हूं। मैं उससे पीछे नहीं हटूंगा। वहीं, नई दिल्ली में सरकारी सूत्रों ने कहा कि चीन का यह फैसला आतंकवाद का मुकाबला करने के उसके दावे के विपरीत है और उसके दोहरे मापदंड का संकेत देता है।

सूत्रों ने कहा ऐसे खूंखार आतंकवादियों को प्रतिबंधों से बचाना न केवल चीन की साख को कमजोर करेगा, बल्कि आतंकवाद के बढ़ते खतरे के बीच उसे भी इस 'जोखिम' का सामना करना पड़ेगा। उन्होंने कहा कि मक्की, भारत खासकर जम्मू-कश्मीर, में हिंसा और हमलों को अंजाम देने के लिए योजना बनाने, धन जुटाने, गुर्गों की भर्ती करने और युवकों को कट्टरपंथी बनाने जैसे कृत्य में संलिप्त रहा है।

बीजिंग में, यह पूछे जाने पर कि क्या मक्की पर चीन के इस कदम से भारत और उसके (चीन के) बीच मतभेद पैदा होगा, वेनबिन ने कहा मैं चीन का रुख पहले ही बता चुका हूं और जहां तक चीन-भारत संबंध की बात है, हमारा रुख स्पष्ट और

पहले जैसा है। उन्होंने कहा हमें उम्मीद है कि भारत और चीन साथ मिल कर काम कर सकते हैं और संबंधों को अधिक मजबूत तथा स्थिर बना सकते हैं। इससे पहले भी चीन ने पाकिस्तानी आतंकवादियों को प्रतिबंधित सूची में डालने की भारत और इसके सहयोगियों की कोशिशों को बाधित किया है।

44वें शतरंज ओलंपियाड की 'ऐतिहासिक' मशाल रिले की शुरुआत करेंगे पीएम मोदी

नई दिल्ली (एजेंसी)।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 19 जून रविवार शाम राजधानी दिल्ली के इंदिरा गांधी स्टेडियम में 44वें शतरंज ओलंपियाड के लिए ऐतिहासिक मशाल रिले की शुरुआत करेंगे। इस मौके पर प्रधानमंत्री उपस्थित लोगों को संबोधित भी करेंगे। इस वर्ष पहली बार अंतरराष्ट्रीय शतरंज महासंघ (फिडे) ने शतरंज ओलंपियाड की मशाल रिले की शुरुआत की है जो कि ओलंपिक परंपरा का हिस्सा है और जिसे शतरंज ओलंपियाड में अब तक कभी शामिल नहीं किया गया था। पीएमओ ने कहा कि शतरंज के साथ भारत के रिश्ते को और नई ऊंचाइयों पर ले जाने के उद्देश्य से शतरंज ओलंपियाड के लिए मशाल रिले की यह परंपरा अब हमेशा भारत से शुरू होगी और मेजबान देश तक पहुंचने से पहले सभी महाद्वीपों से होकर गुजरेगी। फिडे के अध्यक्ष अर्कडी ड्वोरकोविच इस मशाल को प्रधानमंत्री को सौंपेंगे, जिसे प्रधानमंत्री आगे ग्रैंडमास्टर विश्वनाथन आनंद को सौंपेंगे। इस मशाल को आयोजन स्थल महाबलीपुरम पहुंचने से पहले 40 दिनों की अवधि के दौरान देश के 75 शहरों में ले जाया जाएगा। हर स्थान पर उस प्रदेश के शतरंज के ग्रैंडमास्टर इस मशाल को प्राप्त करेंगे। 44वां शतरंज ओलंपियाड 28 जुलाई से लेकर 10 अगस्त 2022 के दौरान महाबलीपुरम में आयोजित किया जाएगा। 1927 से आयोजित की जा रही इस प्रतिष्ठित प्रतियोगिता का आयोजन पहली बार भारत में और 30 साल बाद एशिया में किया जा रहा है। पीएमओ के मुताबिक 189 देशों की भागीदारी के साथ यह किसी भी शतरंज ओलंपियाड में अब तक की सबसे बड़ी भागीदारी होगी।

भारत के पेंटाला हरीकृष्णा बने प्राग मास्टर्स शतरंज विजेता

प्राग,चेक गणराज्य (एजेंसी)।

प्राग मास्टर्स शतरंज टूर्नामेंट का खिताब भारत के पेंटाला हरीकृष्णा नें अपने नाम कर लिया है । हरीकृष्णा नें अंतिम नौवे राउंड में स्पेन के डेविड अंटोन को पराजित करते हुए प्रतियोगिता में अपनी चौथी जीत दर्ज की और 6.5 अंको के साथ पहला स्थान हासिल कर लिया । सफ़ेद मोहरो से खेलते हुए हरीकृष्णा नें इंग्लिश ओपनिंग में 51 चालों में खेल अपने नाम किया । इस जीत से हरीकृष्णा नें अपनी फीडे रेटिंग में 19 अंक जोड़ते हुए 2720 अंको के साथ पुनः विश्व के टॉप 25 में जगह बना ली है । अंतिम राउंड में अन्य सभी मुकाबले ड्रॉ रहे और वियतनाम के ले कुयांग लिम 6 अंक बनाकर दूसरे ,5 अंक बनाकर टाईब्रेक के आधार पर चेक गणराज्य के वान थाई डाइ तीसरे ,यूएसए के सैम शंकलंद चौथे और चेक गणराज्य के डेविड नवारा पांचवे स्थान पर रहे । 4.5 अंक बनाकर स्पेन के वोलेजों पोंस छठे ,4 अंक बनाकर भारत के विदित गुजराती सातवे और ईरान के परहम मघसूदलू आठवे स्थान पर ,3 अंक बनाकर यूएई के सलेम सालेह नौवे और 2 अंक बनाकर स्पेन के डेविड अंटोन दसवें स्थान पर रहे ।

पंत का आफ स्टम्प से बाहर जाती गेंदों पर विकेट गंवाना अच्छा संकेत नहीं : गावस्कर

राजकोट (एजेंसी)।

ऋषभ पंत के शॉट्स के चयन पर सवाल उठाते हुए महान बल्लेबाज सुनील गावस्कर ने कहा कि दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ मौजूदा टी20 श्रृंखला में बार-बार आफ स्टम्प से बाहर जाती गेंदों पर उनका आउट होना अच्छा संकेत नहीं है। अब तक 47 टी20 मैचों में 740 रन बनाने वाले पंत आफ स्टम्प से बाहर जाती गेंद पर बड़ा शॉट खेलने के प्रयास में अपना विकेट गंवाते आए हैं।

गावस्कर ने स्टार स्पोर्टस पर कमेंट्री के दौरान कहा कि उसने सीखा नहीं है। पिछले 3 मैचों में भी अपने विकेट से उसने सबक नहीं लिया है। उन्होंने कहा कि वे बाहर गेंद डाल रहे हैं और वह लगातार इस जाल में फंस रहा है। उसे इन गेंदों पर हवाई शॉट खेलने से बचना होगा। उन्होंने कहा कि उन्होंने उसके खिलाफ खास रणनीति बनाई है। आफ स्टम्प से बाहर गेंद डालो और उसका विकेट लो।

पंत ने अब तक श्रृंखला में 29, 5 , 6 और 17 रन बनाए हैं। गावस्कर ने कहा कि इस साल टी20 मैचों में वह दस बार ऐसे ही आउट हुआ है। अगर वह गेंद से छेडखानी नहीं करता तो उनमें से कुछ वाइड होती। गेंद काफी बाहर होने से उसे अतिरिक्त बल भी लगाना पड़ता है। उन्होंने कहा कि भारत के कप्तान का एक श्रृंखला में लगातार एक तरीके से ही आउट होना अच्छा संकेत नहीं है।

साउथ अफ्रीका के खिलाफ बल्लेबाजी करते हुए दिनेश कार्तिक ने तोड़ा धोनी का रिकॉर्ड,

ऐसा करने वाले पहले भारतीय बल्लेबाज बने

नयी दिल्ली। (एजेंसी)।

भारतीय क्रिकेट टीम ने साउथ अफ्रीका को राजकोट में खेले गए चौथे टी20 मुकाबले में 82 रनों से मात दे दी है। इस मुकाबले में दिनेश कार्तिक ने तूफानी पारी खेली। जिसकी बदौलत उन्हें मैच का हीरो चुना गया। इतना ही नहीं इस पारी के दम पर दिनेश कार्तिक ने पूर्व कप्तान महेंद्र सिंह धोनी का रिकॉर्ड तोड़ दिया। दरअसल, दिनेश कार्तिक ने साउथ अफ्रीका के खिलाफ 27 गेंद में 55 रनों पारी खेली, जो एक रिकॉर्ड बन गई।

दिनेश कार्तिक ने बिखेरा जलवा

दिनेश कार्तिक ने साउथ अफ्रीका के खिलाफ खेले गए चौथे मुकाबले में अपने करियर का पहला अर्धशतक जड़ा। उन्होंने साल 2006 में साउथ अफ्रीका के खिलाफ डेब्यू किया था और उन्होंने अपने करियर का पहला अर्धशतक भी साउथ अफ्रीका के खिलाफ ही जड़ा है। उनकी 55 रनों की पारी में 9 चौके और 2 छक्के भी शामिल हैं। इस दौरान उन्होंने मैदान के चारों ओर शॉट खेले।

इस मुकाबले में बल्लेबाजी करते हुए दिनेश कार्तिक ने महेंद्र सिंह धोनी का एक रिकॉर्ड भी तोड़ दिया। दरअसल, टी20 अंतरराष्ट्रीय में छठे या फिर उससे निचले क्रम पर बैटिंग करते हुए दिनेश कार्तिक सबसे ज्यादा रन बनाने वाले भारतीय खिलाड़ी बन गए हैं। इससे पहले महेंद्र सिंह धोनी ने साउथ अफ्रीका के खिलाफ साल 2018 में छठे नंबर पर बल्लेबाजी करते हुए 52 रन बनाए थे। लेकिन अब यह रिकॉर्ड दिनेश कार्तिक के नाम हो गया है।

ऊंचा उड़ने को तैयार हैं कार्तिक

दिनेश कार्तिक ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के 15वें सत्र में रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर (आरसीबी) की तरफ से खेलते हुए टीम को कई मुश्किल मुकाबलों में जीत दिलाई है। जिसका उन्हें भारतीय टीम के चयनकर्ताओं ने तोहफा भी दिया। आईपीएल में आरसीबी के लिए फिनिशर की भूमिका निभाने वाले दिनेश कार्तिक को साउथ अफ्रीका के खिलाफ टी20 सीरीज में मौका मिला और अगर उनका फॉर्म जारी रहा तो उन्हें ऑस्ट्रेलिया में होने वाले टी20 विश्व कप के लिए भारतीय टीम में भी चुना जा सकता है।

टी20 विश्व कप के लिए बल्लेबाजी के मामले पंत से आगे निकले दिनेश कार्तिक

मुंबई । भारतीय क्रिकेट टीम के विकेटकीपर बल्लेबाज दिनेश कार्तिक ने द.अफ्रीका के खिलाफ चौथे टी20 मैच में 55 रन की यादगार पारी खेली। 17 जून को राजकोट में हुए मैच में उन्होंने अपने टी20 इंटरनेशनल करियर का पहला अर्धशतक लगाया। उनकी शानदार पारी के कारण भारत 6 विकेट पर 169 रन बनाने में सफल रहा। भारत ने मुकाबले में साउथ अफ्रीका को 82 रन से हराया। दिनेश कार्तिक ने टी20 सीरीज में अब तक शानदार प्रदर्शन किया है। जबकि कप्तान की भूमिका निभा रहे ऋषभ पंत सीरीज में संघर्ष करते नजर आए हैं. इस बीच साउथ अफ्रीका के पूर्व तेज गेंदबाज डेल स्टेन ने दिनेश कार्तिक और ऋषभ पंत को लेकर बयान दिया है। इस दौरान उन्होंने बताया कि टी20 विश्व कप के लिए इन दोनों खिलाडियों में कौन बेहतर है?

स्टेन से पूछा गया क्या दिनेश कार्तिक ने टी-20 विश्व कप के लिए ऋषभ पंत पर बढ़त बना ली है? इस सवाल के जवाब में उन्होंने बिना सोचे समझे कहा हां निश्चित रूप से बढ़त बना ली है। स्टेन के मुताबिक, पंत को इस सीरीज में चार मौके मिले हैं और वह लगातार गलती कर रहे हैं। आप भी कह सकते हैं कि अच्छे खिलाड़ी गलतियों से सीखते हैं लेकिन उन्होंने ऐसा नहीं किया। लेकिन दिनेश कार्तिक ने हर बार दिखाया है कि वह किस स्तर के खिलाड़ी हैं। स्टेन ने कहा, मुझे लगता है अगर आप विश्व कप जीतना चाहते हैं, तब आप एक इसतरह के व्यक्ति को चुनते हैं जो आपके लिए विश्व कप जीतने वाला हो।

सौरव कोठारी को पैसिफिक अंतरराष्ट्रीय स्नूकर में दो खिताब

मेलबर्न। पूर्व विश्व बिलियर्ड्स चैम्पियन सौरव कोठारी ने पैसिफिक अंतरराष्ट्रीय बिलियर्ड्स चैम्पियनशिप खिताब अपने नाम किया जो उनका इस प्रतियोगिता में दूसरा खिताब था। कोठारी इस तरह आस्ट्रेलिया के मैथ्यू बोल्टन के बाद पैसिफिक अंतरराष्ट्रीय चैम्पियनशिप में दोहरा खिताब हासिल करने वाले दूसरे क्यू खिलाड़ी बन गए हैं। 37 साल के कोठारी कुछ दिन पहले इसी प्रतियोगिता का स्नूकर खिताब भी अपने नाम किया था। कोठारी ने लेवल 5 विश्व बिलियर्ड्स रैंकिंग टूर्नामेंट के फाइनल्स में इंग्लैंड के चैम्पियन रॉब हॉल को 1500 - 1321 से हराया। वर्ष 2018 विश्व बिलियर्ड्स चैम्पियन कोठारी ने 161, 141, 135 और 117 के ब्रेक से 600 अंक की बढ़त बनाई। इंग्लैंड का खिलाड़ी इस सत्र के दौरान केवल एक शतकीय ब्रेक 177 लगा सका। इससे पहले कोठारी ने रोमांचक मुकाबले में हमवतन ध्रुव सितवाला को 1200 - 1131 से हराया था। वहीं हॉल ने विश्व बिलियर्ड्स चैम्पियन सिंगापुर के पीटर गिलक्रिस्ट को पराजित किया था जिसमें 244 और 192 के बड़े ब्रेक शामिल थे।

पीसीबी ने छेड़छाड़ के आरोपों के बाद राष्ट्रीय स्तर के कोच नदीम इकबाल को निलंबित किया

करांची। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने महिला खिलाड़ी के साथ छेड़छाड़ के आरोप में अपने राष्ट्रीय स्तर के कोच को निलंबित कर दिया है। एक महिला क्रिकेटर ने मुल्तान क्षेत्र के कोच नदीम इकबाल पर छेड़छाड़ के आरोप लगाए हैं। नदीम अपने समय के प्रसिद्ध तेज गेंदबाज थे और उन्होंने उसी टीम के लिए प्रथम श्रेणी पदार्पण किया, जिसके लिए महान तेज गेंदबाज वकार युनूस खेलते थे। पीसीबी के एक अधिकारी ने पुष्टि की कि उन्होंने इस मामले की जांच शुरू कर दी है, ताकि यह पता लगाया जा सके कि क्या नदीम ने बोर्ड के साथ अपनी नौकरी की शर्तों का उल्लंघन किया है। अधिकारी ने कहा जाहिर तौर पर हम ऐसी कोई आपराधिक जांच नहीं कर सकते, जो पुलिस को करनी है, लेकिन हमारी जांच से पता चलेगा कि क्या उसने हमारे अनुबंध की शर्तों का उल्लंघन किया है। पचास साल के नदीम ने प्रथम श्रेणी के 80 मैच खेले है और वह एक समय वकार से भी बेहतर गेंदबाज माने जाते थे। पीड़ित महिला क्रिकेटर ने पुलिस को दी शिकायत में दावा किया है कि वह कुछ साल पहले मुल्तान में पीसीबी महिला ट्रायल के लिए गई थी जब नदीम वहां मौजूद कई कोच में से एक थे। पीड़िता ने यहां जारी वीडियो संदेश में कहा उसने मुझे महिला टीम में चुनने और बोर्ड में नौकरी दिलाने का वादा किया और मेरे करीब आ गया। वह मेरा यौन शोषण करता रहा और इसमें उसके कुछ दोस्त भी शामिल थे। उसने मेरा वीडियो भी बना लिया और बाद में ब्लैकमेल करता रहा। इससे पहले 2014 में, पांच युवा महिला क्रिकेटरों ने मुल्तान के एक निजी क्रिकेट क्लब के अधिकारियों पर यौन उत्पीड़न का आरोप लगाया था।

रणजी ट्रॉफी के 88 सालों के इतिहास में दूसरी बार फाइनल में पहुंचा मध्यप्रदेश

बंगाल को 174 रन से हराया

नई दिल्ली (एजेंसी)।

रणजी ट्रॉफी 2021-22 के पहले सेमीफाइनल में मध्य प्रदेश ने बंगाल की टीम को 174 रनों से हराकर दूसरी बार फाइनल में पहुंची है। इससे पहले 1999 में एमपी की टीम ने कर्नाटक के खिलाफ एकमात्र फाइनल खेला है। बंगाल को चौथी पारी में जीत के लिए 350 रनों का लक्ष्य मिला था। पांचवें दिन बंगाल की पूरी टीम सिर्फ 175 रन पर आउट हो गई। मध्य प्रदेश की ओर से पहली पारी में 165 रन जड़ने वाले सलामी बल्लेबाज हिमांशु मंत्री को मैन ऑफ द मैच चुना गया। मप्र ने पहली पारी में मंत्री के शतक और अक्षत रघुवंशी के शानदार 63 रनों की बदौलत 341 रनों का स्कोर खड़ा किया। इसके जवाब में बंगाल की मनोज तिवारी (102) और शाहबाज अहमद (116) के साहसिक शतकों के बाजवूद 272 रन पर ही सिमट गई। पहली पारी में

के आधार पर एमपी को 69 रनों की बढ़त मिली। मप्र को दूसरी में पारी कप्तान आदित्य श्रीवास्तव (82) और रजत पाटीदार (79) का सहारा मिला। इन दोनों खिलाड़ियों के अर्धशतकों की बदौलत एमपी दूसरी पारी में 281 रन बनाने में सफल रही।

इसके जबाव में बंगाल की दूसरी पारी में कप्तान अभिमन्यु ईश्वरन ने 157 गेंदों में सात चौके की मदद से 78 रन बनाएं। उनके अलावा कोई दूसरा बल्लेबाज बड़ी पारी में खेलने में असफल रहा. पहली पारी के शतकवीर शाहबाज अहमद ने दूसरी पारी में भी नाबाद 22 रन जोड़े लेकिन उन्हें दूसरे छोर से साथ नहीं मिला। अहमद ने मुकाबले में सिर्फ बल्ले से ही नहीं बल्कि गेंद भी उपयोगी योगदान दिया। उन्होंने पहली पारी में तीन और दूसरी पारी में पांच विकेट झटके. बंगाल को हराने में एमपी के बाएं हाथ के चाइनामैन गेंदबाज कुमार कार्तिकेय का बड़ा योगदान रहा। उन्होंने पहली पारी में 61 रन देकर तीन विकेट झटके थे। वहीं, दूसरी पारी में 67 रन देकर पांच विकेट लिए। 24 वर्षीय यह स्पिनर आईपीएल में मुंबई इंडियंस का हिस्सा है। आईपीएल 2022 में कार्तिकेय को चार मुकाबलों में खेलने का मौका भी मिला था और वह पांच लेने में सफल भी रहे थे।

हाले क्वार्टर फाइनल में दानिल मेदवेदेव ने बतिस्ता को हराया

हाले। शीर्ष रैंकिंग वाले दानिल मेदवेदेव ने हाले ओपन टेनिस सेमीफाइनल में रॉबर्टो बतिस्ता को 6.2, 6.4 से हरा दिया। मेदवेदेव ने नौ ब्रेक प्वाइंट बचाते हुए यह मुकाबला जीता। अब उनका सामना जर्मनी के आस्कर ओटे से होगा। मेदवेदेव को हालांकि विम्बलडन में खेलने की अनुमति नहीं होगी क्योंकि यूक्रेन पर हमले के कारण रूस और बेलारूस के खिलाड़ियों पर प्रतिबंध लगा है। ओटे ने कारेन खाचानोव को 4.6, 7.6, 6.4 से मात दी। निक किर्गियोस भी पाब्लो कारेनो बस्टा को 6.4, 6.2 से हराकर सेमीफाइनल में पहुंच गए हैं। उनका सामना हुबर्ट हुरकाज से होगा जिन्होंने फेलिक्स आगर एलियास्सिमे को 7.6, 7.6 से मात दी।

आज के निर्याणक मुकाबले में द.अफीका के खिलाफ जीत दर्त करने उतरेगी भारतीय टीम

बेंगलुरू (एजेंसी)।

भारत दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ रविवार को बेंगलुरु के मैदान पर पांचवां टी-20 मैच खेलेगा। सीरीज अभी 2-2 की बराबरी पर हैं। पिछले दोनों मुकाबले जीतकर भारतीय टीम का उत्साह बढ़ा हुआ है, इसके बाद दोनों टीमों के बीच यह निर्णायक मैच रोचक हो सकता है। भारत ने 8 दिनों में खेले गए 4 मैचों की अंतिम एकादश में ज्यादा बदलाव नहीं किए हैं। इसके बाद में 5वें मुकाबले में इसकी उम्मीद बनी हुई हैं। भारत के पास अभी अर्शदीप सिंह और उमरान मलिक जैसे गेंदबाज हैं, जिन्हें मौका मिलाना बाकी है।

भारत और द.अफ्रीका के लिए अपने कप्तानों का न चलना बड़ी समस्या बना हुआ है। तेम्बा बावुमा अगर चोट से उबर नहीं पाते हैं,तब द.अफ्रीका को उनकी कमी खलेगी। पिछले 2 मैचों में असमान उछाल वाली पिचों पर उनकी बल्लेबाजी भी कमजोर दिखी है। वहीं, पंत की अगर बात करें, तब वह एक जैसे शॉट लगाकर लगातार आऊट हो रहे हैं। उनके बल्ले से भी बड़ी पारी नहीं निकली है।

द्रविड़ टॉप-3 तीन में बदलाव की संभावना पर विचार कर सकते हैं। रूतुराज गायकवाड़ मौजूदा तकनीक के साथ बेहतर पिचों पर अच्छे आक्रमण के सामने कमजोर साबित हुए हैं। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में उनका सामना अनुभवहीन घरेलू गेंदबाजों से नहीं होगा जिन पर वह भारी पड़ सकते हैं। श्रेयस अय्यर को पूरी श्रृंखला खेलने को मिली लेकिन वह इस मौके को भुना नहीं सके। भारतीय टीम अब आयरलैंड के खिलाफ दो टी20 खेलेगी, तब उनकी जगह सूर्यकुमार यादव को मिल जाएगी। उन्हें बड़ा स्कोर बनाना होगा।

आईसीसी टूर्नामेंट वाले वर्ष में कार्तिक हमेशा अच्छा प्रदर्शन करते रहे हैं। आयरलैंड में वह विकेटकीपिंग का जिम्मा भी संभालने और टी-20 विश्व कप में अगर उन्हें विकेटकीपर बल्लेबाज की भूमिका सौंप दी जाए, तब मौजूदा फॉर्म को देखते हुए किसी को हैरानी नहीं होनी चाहिए।

कोको गॉ बर्लिन ओपन के सेमीफाइनल में

बर्लिन। अमरीका की कोको गॉ पहली बार ग्रासकोर्ट टेनिस सेमीफाइनल में पहुंच गई जिन्होंने बर्लिन ओपन में कैरोलिना प्लिसकोवा को 7.5, 6.4 से हराया। अब उनका सामना ओंस जबाउर से होगा। फ्रेंच ओपन उपविजेता 18 वर्ष की गॉ ने दोनों सेट में पिछडने के बाद वापसी करते हुए पिछले साल की विम्बलडन उपविजेता को हराया। वहीं, चौथी वरीयता प्राप्त जबाउर ने एलिकसैंड्रा सेस्नोविच को 6.7, 6.2, 6.2 से मात दी। अन्य मैचों में छठी रैंकिंग वाली मारिया सक्कारी ने फ्रेंच ओपन सेमीफाइनल खेलने वाली डारिया कासात्किना को 6.0, 6.3 से हराया। सक्कारी का सामना अब बेलिंडा बेंचिच से होगा जिन्होंने वेरोनिका कुदेरमेतोवा को 3.6, 6.3, 6.3 से हराया।

मेरा अभी खेल को अलविदा कहने का कोई इरादा नहीं : आंनद

नई दिल्ली (एजेंसी)।

पांच बार के विश्व चैंपियन भारत के दिग्गज शतरंज खिलाड़ी विश्वनाथन आनंद फिलहाल शतरंज को छोड़ने के मूड में नहीं हैं। आनंद का कहना है कि फिडे अध्यक्ष बनने के बाद भी वह खेल को जारी रखने वाले हैं। 52 वर्षीय आनंद ने कहा कि कोरोना के दौरान लोगों में शतरंज खेलने को लेकर काफी दिलचस्पी बढ़ी है। उन्होंने कहा कि इस खेल को बढ़ावा देने के लिए वह पूरा प्रयास करुंगा। आनंद ने जुलाई-अगस्त में महाबलीपुरम में होने वाले 44वें शतरंज ओलंपियाड के तहत आयोजित संवाददाता सम्मेलन में कहा, यह सबसे बड़ा शतरंज टूर्नामेंट है। अधिकांश टूर्नामेंटों में 10 ,20 या अधिकतम 50 खिलाड़ी होते हैं, लेकिन यहां 2000 के करीब खिलाड़ी हैं। इसके बाद इसकी तुलना ही नहीं हो सकती। भारत में पहली बार 28 जुलाई से महाबलीपुरम में शतरंज ओलंपियाड का आयोजन होगा।

यदि आगामी चुनाव में निवर्तमान अध्यक्ष अर्काडी वोरकोविच फिर चुने जाते हैं तो आनंद अंतरराष्ट्रीय शतरंज महासंघ (फिडे) के उपाध्यक्ष होंगे। वोरकोविच ने अपनी टीम में आनंद को इस पद के लिए नामित किया है। यह पूछने पर कि फिडे अध्यक्ष बनने के बाद वह वह खेलना छोड़ देंगे? इसपर आनंद ने कहा, मेरा अभी खेल को अलविदा कहने का कोई इरादा नहीं है। फिडे उपाध्यक्ष बनने के बाद भी मैं अपने खेल को जारी रखने की ओर देख रहा हूं। आनंद ने बताया कि उनसे मार्च में फिडे उपाध्यक्ष पद के लिए पूछा गया था तो, उन्होंने इसपर हामी भर दी। आनंद के मुताबिक मुझे यह ऑफर अच्छा लगा। आनंद ने कहा, मौजूदा समय में मैं बहुत कम टूर्नामेंट खेल रहा हूं। मेरा फोकस अपनी अकादमी पर भी है। मेरे लिए यह एक नई चुनौती है और मैं इससे सीखने की कोशिश करुंगा।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 19 जून शाम दिल्ली के इंदिरा गांधी स्टेडियम में 44वें शतरंज ओलंपियाड के लिए 'ऐतिहासिक मशाल रिले' की शुरुआत करने वाले हैं। इस वर्ष पहली बार अंतरराष्ट्रीय शतरंज महासंघ (फिडे) ने शतरंज ओलंपियाड की मशाल रिले की शुरुआत की है जो कि ओलंपिक परंपरा का हिस्सा है और जिसे शतरंज ओलंपियाड में अब तक कभी शामिल नहीं किया गया था।

पाकिस्तानी साइकिलिस्ट लेंगे एशियाई चैम्पियनशिप में भाग, भारत से कब मिलेगा वीजा?

कराची। भारतीय दूतावास से वीजा मिलने के बाद पाकिस्तानी साइकिलिंग टीम के सात सदस्य एशियाई एलीट और जूनियर साइकिलिंग चैम्पियनशिप में हिस्सा लेंगे। पाकिस्तान साइकिलिंग महासंघ के महासचिव मोआज्जम खान खैर ने बताया ,'' हमारी टीम में पांच साइकिलिस्ट और दो अधिकारी हैं जो वाघा सीमा के जरिये कल रवाना हो गए।'' उन्होंने कहा कि पीसीएफ के एक अधिकारी को भी दल के साथ जाना था लेकिन उन्हें वीजा नहीं मिला। चैम्पियनशिप शनिवार को दिल्ली में शुरू हुई। पाकिस्तानी साइकिलिस्ट 19 जून से होने वाली स्पर्धाओं में उतरेंगे। यह चैम्पियनशिप ओलंपिक क्वालीफायर है और कोरोना महामारी के बाद पहला बड़ा टूर्नामेंट है। इसमें काफी रैंकिंग प्वाइंट मिलेंगे।

पीएम मोदी ने पावागढ़ के मंदिर पर 500 साल बाद फहराई पताका

अहमदाबाद, 18 जून (एजेन्सी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुजरात के पंचमहाल जिले में स्थित प्रसिद्ध महाकाली मंदिर के ऊपर बनी दरगाह को उसकी देखरेख करने वालों की सहमति से स्थानांतरित किए जाने के बाद शनिवार को मंदिर के शिखर पर पताका फहराई।

मोदी ने कहा कि महाकाली मंदिर में फहराई गई पताका न केवल आध्यात्मिकता का प्रतीक है, बल्कि यह दर्शाती है कि सदियां बीत जाने के बावजूद हमारी आस्था मजबूत है।

उन्होंने कहा कि गुजरात में महाकाली मंदिर के ऊपर पांच सदियों तक, यहां तक कि आजादी के 75 वर्षों के दौरान भी पताका नहीं फहराई गई थी।

मंदिर के शिखर को करीब 500 साल पहले सुल्तान महमूद बेगड़ा ने नष्ट कर दिया था। बहरहाल, पावागढ़ पहाड़ी पर 11वीं सदी में बने इस मंदिर के शिखर को पुनर्विकास योजना के तहत पुन: स्थापित कर दिया गया है।

प्रधानमंत्री मोदी ने पुनर्विकसित महाकाली मंदिर का उद्घाटन किया। यह मंदिर चम्पानेर-पावागढ़ पुरातात्विक उद्यान का हिस्सा है, जो यूनेस्को की विश्व विरासत सूची में शामिल है और हर वर्ष लाखों श्रद्धालु मंदिर में दर्शन करने आते हैं।

मंदिर के एक पदाधिकारी ने बताया कि मंदिर के मूल शिखर को सुल्तान महमूद बेगड़ा ने 15वीं सदी में चम्पानेर पर किए गए हमले के दौरान ध्वस्त कर दिया था। उन्होंने बताया कि शिखर को ध्वस्त करने के कुछ समय बाद ही मंदिर के ऊपर पीर सदनशाह की दरगाह बना दी गई थी।

पदाधिकारी ने कहा, पताका फहराने के लिए खंभे या शिखर की जरूरत होती है। चूंकि, मंदिर पर शिखर नहीं था, इसिलए इन वर्षों में पताका भी नहीं फहराई गई। जब कुछ साल पहले पुनर्विकास कार्य शुरू हुआ तो हमने दरगाह की देखरेख करने वालों से अनुरोध किया कि वे दरगाह को स्थानांतरित करने दें, ताकि मंदिर के शिखर का पुन: निर्माण हो सके।

उन्होंने कहा, सौहार्द्रपूर्ण तरीके से दरगाह को मंदिर के करीब स्थानांतरित करने का समझौता हुआ।

गौरतलब है कि 125 करोड़ रुपये की लागत से महाकाली मंदिर का पुनर्विकास किया गया है, जिसमें पहाड़ी पर स्थित मंदिर की सीढ़ियों का चौड़ीकरण और आसपास के इलाके का

सौंदर्यीकरण शामिल है। नया मंदिर परिसर तीन स्तरों में बना है और 30,000 वर्ग फीट दायरे में फैला है।

बिहार में सुबह चार बजे से आठ बले तक नहीं चलेंगी ट्रेन, रेलवे ने लगाई रोक

पटना, 18 जून (का.सं.)। पटना. बिहार में अग्निवीर सेना बहाली के विरोध में हो रहे हिंसक प्रदर्शन को देखते हुए रेलवे ने सुबह चार बजे से लेकर रात आठ बजे तक ट्रेनों के परिचालन पर अस्थाई रोक लगा दी है। रेलवे ने कहा है कि यह फैसला यात्रियों और रेल संपत्तियों की सुरक्षा को देखते हुए लिया गया है। रेलवे ने बताया कि 19 जून सुबह चार बजे से रात आठ बजे तक और 20 जून भी सुबह चार बजे से रात आठ बजे तक ट्रेनों का संचालन नहीं किया जाएगा।

गौरतलब है कि गुरुवार और शुक्रवार को नरेंद्र मोदी सरकार की अग्निपथ योजना को लेकर हुए उग्र प्रदर्शन के दौरान गुस्साए प्रदर्शनकारियों ने कई ट्रेनों में आग लगा दी है। इसके साथ ही इन लोगों ने रेलवे स्टेशनों के अंदर भी तोड़फोड़ और कर्मचारियों से मारपीट भी की है। एक स्टेशन से तो लूटपाट की भी खबर सामने आई है। इसी को देखते हुए रेलवे ने यह फैसला किया है।

शनिवार बिहार बंद के दौरान बवाल के चौथे दिन मसौढ़ी में उपद्रवियों ने जमकर बवाल मचाया। हजारों की संख्या में तारेगना रेलवे स्टेशन पर पहुंचे उपद्रवियों ने रेलवे स्टेशन में आग लगा दी, जिसके चलते स्टेशन पूरी तरह से जलकर राख हो गया है। किसी तरह रेलवे कर्मचारियों ने अपनी जान बचाई है।

गृह मंत्रालय के बाद रक्षा मंत्रालय में भी अग्निवीरों को मिलेगा 10 प्रतिशत आरक्षण

नई दिल्ली, 18 जून (एजेन्सी)। देशभर में जारी विरोध प्रदर्शन के बीच अब रक्षा मंत्रालय ने भी अग्निवीरों को लेकर बड़ा ऐलान किया है। रक्षा मंत्रालय ने अपने मंत्रालय के तहत होने वाली भर्तियों में अग्निवीरों को 10 फीसदी आरक्षण देने का ऐलान किया है।

नई सेना भर्ती योजना 'अग्निपथ' के खिलाफ चल रहे विरोध के बीच, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने शनिवार को घोषणा की है कि सरकार रक्षा मंत्रालय में 10 प्रतिशत नौकरियों को अग्निपथ के लिए आरक्षित करेगी।

रक्षा मंत्रालय के कार्यालय ने एक ट्वीट में कहा, 'रक्षा मंत्री एटदरेट राजनाथ सिंह ने आवश्यक पात्रता मानदंडों को पूरा करने वाले 'अग्निवीर' के लिए रक्षा मंत्रालय में 10 प्रतिशत नौकरी रिक्तियों को आरक्षित करने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है।'

रक्षा मंत्रालय कार्यालय ने आगे जोड़ा, 10 प्रतिशत आरक्षण भारतीय तटरक्षक और सभी 16 रक्षा सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम रक्षा नागरिक पदों पर लागू किया जाएगा। हालांकि, यह आरक्षण पूर्व सैनिकों के लिए मौजूदा आरक्षण के अतिरिक्त होगा।

यह घोषणा भारत के कई हिस्सों में उम्मीदवारों द्वारा इस योजना को लेकर चार दिनों तक व्यापक विरोध और आंदोलन के बाद आई है।

रक्षा मंत्रालय के कार्यालय ने भी स्पष्ट किया है कि इन प्रावधानों को लागू करने के लिए आवश्यक कदम उठाए जाएंगे।

मंत्रालय के कार्यालय ने ट्वीट किया, 'इन प्रावधानों को लागू करने के लिए प्रासंगिक भर्ती नियमों में आवश्यक संशोधन किए जाएंगे। रक्षा सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों को अपने संबंधित भर्ती नियमों में इसी तरह के संशोधन करने की सलाह दी जाएगी। आवश्यक आयु में छूट का प्रावधान भी किया जाएगा।'

अग्निपथ योजना पर भारी विरोध के बीच रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने शनिवार को दिल्ली में सेना प्रमुखों के साथ एक शीर्ष स्तरीय बैठक की अध्यक्षता की। केंद्रीय गृह मंत्रालय द्वारा शनिवार को सीएपीएफ और असम राइफल्स की भर्ती में अग्निवीरों के लिए 10 प्रतिशत आरक्षण की घोषणा के तुरंत बाद रक्षा मंत्री की सेवा प्रमुखों के साथ महत्वपूर्ण बैठक हुई।

तीनों सेना प्रमुखों ने कथित तौर पर उस योजना के बारे में विश्वास व्यक्त किया है जिसके माध्यम से युवाओं को चार साल की अवधि के लिए सेना, नौसेना और वायु सेना में भर्ती किया जाएगा। सेना प्रमुख जनरल मनोज पांडे ने कहा कि यह योजना युवाओं को एक अवसर प्रदान करेगी और चल रहे प्रतिरोध के कारण उन्हें ठीक से सूचित नहीं किया गया है।

भारतीय सेना ने कहा कि अगले दो दिनों में एक अधिसूचना जारी की जाएगी जबकि भारतीय वायु सेना ने 24 जून से भर्ती प्रक्रिया शुरू करने की घोषणा की। भारतीय नौसेना ने कहा है कि प्रक्रिया बहुत जल्द शुरू होगी।

इससे पहले अग्निवीरों के लिए शनिवार को ही गृह मंत्रालय ने भी बड़ी घोषणा की। ट्वीट्स की एक श्रृंखला में, गृह मंत्री कार्यालय ने कहा कि 'गृह मंत्रालय (एमएचए) भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में सरकार द्वारा घोषित अग्निपथ योजना के तहत चार साल पूरे करने वाले अग्निपथ योजना के तहत सीएपीएफ और असम राइफल्स में भर्ती के लिए 10 प्रतिशत रिक्तियों को आरक्षित करने का फैसला करता है।'

इसने यह भी कहा कि 'एमएचए सीएपीएफ और असम राइफल्स में भर्ती के लिए अग्निवीरों को निर्धारित ऊपरी आयु सीमा से 3 साल की छूट देने का भी फैसला करता है। इसके अलावा, आयु में छूट निर्धारित ऊपरी आयु सीमा से 5 वर्ष के लिए होगी।' इस बीच, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने शुक्रवार को आंदोलन कर रहे उम्मीदवारों से भर्ती की तैयारी शुरू करने का आग्रह किया था क्योंकि जल्द ही प्रक्रिया शुरू हो जाएगी।

जिलाधिकारी ने किया टिम्बुक मांगशिला जीपीयू का दौरा

अनुगामिनी नि.सं.

मंगन, 18 जून । जिले के टिम्बुक मांगशिला जीपीयू में मानसून के दौरान आपदाओं के आकलन, प्रबंधन तथा रोकथाम हेतु फाइल टू फील्ड पहल सह विभागीय निरीक्षण और आईसीडीएस, विद्यालयों, बागवानी, कृषि, पशुपालन व पशु चिकित्सा, मत्स्य पालन, मनरेगा सड़कों, पर्यटन एवं अन्य विभागों का दौरा कल संपन्न हुआ।

जिला कलेक्टर मंगन डॉ. एबी कार्की के नेतृत्व में हुए इस फील्ड विजीट सह निरीक्षण में बीडीओ मंगन के अलावा सिक्किम प्रदेश आपदा प्रबंधन प्राधिकरण, शिक्षा विभाग, एसपीडब्ल्यूडी, वन, ऊर्जा, सड़क व सेतु, पर्यटन, पीएमजीएसवाई, बागवानी, सिंचाई, पशुपालन व पशु चिकित्सा विभाग, आरडीडी, सामाजिक न्याय व कल्याण विभाग के अधिकारी एवं एलआरडीएमडी तथा डीसीएसओ तथा आईसीडीएस सुपरवाइजर मौजूद रहे।

टीम ने सिरीजुंगा युमा साम मांग हीम, मांगशिला से इस निरीक्षण सह आकलन, प्रबंधन एवं रोकथाम दौरे की शुरुआत की, जहां उन्होंने ग्राम पंचायतों से मुलाकात कर उनकी शिकायतें सुनी। इस दौरान तिंगजे में पीएमजीएसवाई सड़क तथा निकटवर्ती भूस्खलन स्थल का मुआयना भी किया गया। वहीं टीम आईसीडीएस सेन्टर अपर मांगशिला और गवर्नमेंट प्राइमरी स्कूल अपन मांगशिला भी गयी, जहां मुआयना के बाद टीम को रिपोर्ट भी सौंपी गयी।

इसके बाद अपर तिंगजे स्थित बल्क मिल्क चिलिंग सेन्टर तथा चिली ख्रलांटेशन इलाके में टीम के सदस्य कुछ समय के लिये रुके और उसके बाद वे अपर झुसिंग के पाथीभारा मंदिर गये, जहां मंदिर प्रभारी एवं कमिटी सदस्यों की ओर से उनकी आवश्यक जरूरतों के बारे में बताया गया। उसके बाद लोअर मांगशिला के आईसीडीएस सेन्टर और शिव मंदिर में भी टीम के सदस्य कुछ देर रुके।

वहां से टीम मांगशिला में व्यू प्वॉयंट पहुंची, जहां पंचायतों के साथ व्यू प्वॉयंट का विकास कर आय का साधन बनाने पर चर्चा हुई। उसके बाद टीम मांगशिला पशुचिकित्सा डिस्पेंसरी, गवर्नमेंट प्राइमरी स्कूल, लोअर मांगशिला झुसिंग, आईसीडीएस सेन्टर झुसिंग, गवर्नमेंट जुनियर हाई स्कूल तिबुक और आईसीडीएस सेन्टर तिबुक में भी रुकी। कम्युनिटी सेन्टर तिबुक में जिला प्रशासनिक टीम, पंचायतों तथा स्थानीय लोगों के बीच स्थानीय मुद्दों पर चर्चा हुई।

इस दौरान आमलोगों एवं पंचायतों को सम्बोधित करते हुए डीसी मंगन ने जिला प्रशासन की ओर से आमलोगों को हर सम्भव सहयोग का आश्वासन दिया। वहीं गवर्नमेंट जूनियर हाई स्कूल, रालाक के दौरे के माध्यम से इस फाइल टू फील्ड कार्यक्रम का समापन हुआ।

पशुपालन विभाग के सचिव ने किया मल्ली मिल्क कोऑपरेटिव सोसाइटी का दौरा

अनुगामिनी का.सं.

गंगटोक, 18 जून । सिक्किम में दूध तथा दुग्ध उत्पादन प्रक्रिया की गुणवत्ता सुनिश्चित करने की दिशा में राज्य के पशुपालन विभाग के सचिव सह सिक्किम मिल्क यूनियन के निदेशक डॉ. सेंथिल कुमार ने सम्बंधित रूट फील्ड सुपरवाइजर नीमा तमांग के साथ आज मल्ली मिल्क कोऑपरेटिव सोसाइटी का मुआयना किया। इस दौरान उन्होंने दूध जांच तथा मिल्क कूलिंग सुविधा की स्थिति के अलावा दुग्ध किसानों को समय से उनके बकाये एवं प्रोत्साहन राशि के भुगतान का जायजा लिया।

इस दौरान सोसाइटी के कर्मचारी ने उन्हें सभी वस्तुस्थिति की जानकारी दी। वहीं एमडी ने उन्हें दूध की मात्रा तथा गुणवत्ता दोनों बढ़ाने के साथ ही मिल्क यूनियन द्वारा प्रदत्त उपकरणों के सही रखरखाव का निर्देश दिया। इस दौरान उन्होंने किसानों द्वारा उत्पादित दूध की गुणवत्ता को अविलम्ब बढ़ाये जाने की जरूरत बताते हुए कहा कि यूनियन की ओर से इस दिशा में सभी प्रयास किये जा रहे हैं। साथ ही उन्होंने कहा कि वर्तमान में बाजार में केवल अच्छी गुणवत्ता के दूध की मांग है। ऐसे में उन्होंने सभी सदस्यों से दूध गुणवत्ता बढ़ाने का आग्रह किया। साथ ही उन्होंने कोऑपरेटिव सोसाइटियों की शिकायतें एवं मांगों के बारे में भी जानकारी हासिल की।

वहीं पशुपालन सचिव डॉ. सेंथिल कुमार ने मल्ली चेक पोस्ट का भी दौरा किया और वेट ऑफिसर डॉ. सिद्धांत प्रधान की मौजूदगी में चेक पोस्ट की कार्यप्रणाली एवं प्रदर्शन की जानकारी प्राप्त की। इस दौरान उन्होंने इलाके में पशु अस्पताल तथा पशुपालन फार्म के भली-भांति परिचालन हेतु प्रधान की सराहना की और विकास की सलाह दी। इसके अलावा उन्होंने डॉ. नील कमल तथा अन्य अधिकारियों के साथ जोरथांग डेयरी प्लांट का भी मुआयना किया और वहां की स्थिति की जानकारी ली। उल्लेखनीय है कि सिक्किम मिल्क यूनियन तथा पशुपालन विभाग राज्य में उत्पादित दूध की मात्रा तथा गुणवत्ता बढ़ाने हेतु प्रतिबद्ध हैं। इस दिशा में सिक्किम मिल्क यूनियन केवल अच्छी गुणवत्ता के दूध संग्रह करने की दिशा में प्रयासरत है। इसके लिये फील्ड सुपरवाइजरों और प्राथमिक डेयर सहकारी समितियों द्वारा विभिन्न स्थानों पर नियमित तौर पर जागरुकता एवं प्रदर्शन कार्यक्रम आयोजित किये जा रहे हैं।

इस दौरान सभी दूध किसानों को बताया जा रहा है कि शुरूआत में ही दूध की पर्याप्त जांच तथा उसे संग्रह करने में कूलिंग सुविधा के समुचित उपयोग द्वारा ही दूध की गुणवत्ता में सुधार की जा सकती है।

सिक्किम में केसर उत्पादन पर राज्यपाल की अध्यक्षता में उच्चस्तरीय बैठक सम्पन्न

अनुगामिनी का.सं.

गंगटोक, 18 जून । सिक्किम में केसर की खेती को लेकर शुक्रवार को राज्यपाल गंगा प्रसाद की अध्यक्षता में एक बैठक हुई। इस बैठक में राज्य के मुख्यमंत्री प्रेम सिंह तमांग (गोले) और कृषि एलएन शर्मा भी शामिल हुए। वहीं इस दौरान जम्मू एवं कश्मीर के कृषि एवं किसान कल्याण निदेशक भी उपस्थित थे।

सीएम, कृषि मंत्री भी हुए शामिल, जम्मू कश्मीर के प्रतिनिधिमंडल ने भी की शिरकत

बैठक की शुरुआत कृषि विभाग के प्रधान सचिव सादन कुमार तमांग के स्वागत भाषण से हुई। इस दौरान सिक्किम विश्वविद्यालय के प्रोफेसर शांति स्वरूप शर्मा ने सिक्किम में केसर की खेती के बारे में अवगत कराया। साथ ही उन्होंने राज्य कृषि भूमि की जैव विविधता पर चर्चा की और विभिन्न स्थानों पर प्रयोग के तौर की गयी केसर की खेती का डाटा प्रस्तुत किया। वहीं बागवानी विभाग की ओर से इस दिशा में की गयी गतिविधियों की जानकारी दी गयी।

राज्यपाल गंगा प्रसाद ने अपने सम्बोधन में सिक्किम यात्रा पर आए जम्मू एवं कश्मीर के प्रतिनिधिमंडल और राज्य में केसर की खेती की प्रगति पर आभार व्यक्त किया। उन्होंने राज्य में कृषि गतिविधियों में वृद्धि की बात करते हुए इसके लिये विभिन्न योजनाएं लाने हेतु मौजूदा राज्य सरकार की प्रशंसा की। साथ ही उन्होंने अधिकारियों को किसानों को कृषि की आधुनिक पद्धतियों को सीखने में सहायता प्रदान करने का निर्देश दिया और राज्य में केसर उत्पादन में सहयोग की दिशा में हरेक नागरिक से हाथ बढ़ाने का आग्रह किया।

वहीं मुख्यमंत्री गोले ने राज्य में केसर की खेती हेतु सहयोग प्रदान करने के लिए आए जम्मू एवं कश्मीर प्रतिनिधिमंडल को धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार राज्य में कृषि गतिविधियों के बढ़ावे हेतु सहयाक रही है और कश्मीरी प्रतिनिधिमंडल तथा इस खेती में लगे सभी लोगों को हरसम्भव सहयोग प्रदान करने का आश्वासन भी दिया। साथ ही उन्होंने सिक्किम विश्वविद्यालय के उप-कुलपति अविनाश खरे तथा उनकी पूरी टीम के प्रति भी केसर उत्पादन की इस खोजपरक विचार पेश करने तथा इसे सम्भव बनाने हेतु आभार व्यक्त किया। मुख्यमंत्री ने यह भी सूचित किया कि राज्य सरकार ने केसर की खेती हेतु बजट धनराशि आवंटित की है। साथ ही उन्होंने कृषि क्षेत्र में राज्य सरकार के विभिन्न पहलों पर भी प्रकाश डाला।

कृषि मंत्री एलएन शर्मा ने इस अवसर पर सिक्किम यात्रा पर आये कश्मीरी प्रतिनिधिमंडल को धन्यवाद देते हुए सिक्किम में केसर की खेती को सम्भव बनाने हेतु राज्यपाल एवं मुख्यमंत्री को भी उनके निरंतर सहयोग एवं मार्गदर्शन के लिए धन्यवाद दिया। सिक्किम विश्वविद्यालय के उप-कुलपति अविनाश खरे ने भी सिक्किम के राज्यपाल, मुख्यमंत्री तथा जम्मू एवं कश्मीर की पूरी टीम को उनके सहयोग एवं मार्गदर्शन हेतु धन्यवाद दिया।

इस दौरान जम्मू एवं कश्मीर मिशन डायरेक्टर चौधरी मोहम्मद इकबाल ने केसर की खेती के बारे में एक रोडमैप पर चर्चा करते हुए कुछ सुझाव रखे। उन्होंने पूरी खेती प्रक्रिया के दौरान सहयोगपूर्ण रवैये के लिये सिक्किम सरकार की भी सराहना की। उन्होंने राज्य में केसर उत्पादन में हरसम्भव सहयोग प्रदान करने का आश्वासन दिया। साथ ही उन्होंने जम्मू एवं कश्मीर और सिक्किम के बीच फसल उत्पादन विनिमय पर भी बात की, जिससे कि दोनों राज्य कृषि क्षेत्र में अपने विचारों का आदान-प्रदान कर सकें।

बैठक का समापन बागवानी विभाग के निदेशक एमके सुब्बा के धन्यवाद ज्ञापन से हुआ।

वहीं बैठक में राज्यपाल के सचिव राज यादव, अतिरिक्त बागवानी निदेशक बीएल दहाल, सोरेंग जिला संयुक्त निदेशक रॉबिन गुरूंग, सिम्फेड के एमडी, कश्मीर के कृषि निदेशक चौधरी मोहम्मद इकबाल, उप योजना निदेशक (पैथोलॉजिस्ट), कृषि सूचना अधिकारी शेख इमरान के अलावा कई अन्य अधिकारी भी मौजूद रहे।

त्रिशक्ति शौर्य अभियान के मोटरसाइकिल रैली में शामिल टीम ने राज्यपाल से की मुलाकात

अनुगामिनी का.सं.

गंगटोक, 18 जून । त्रिशक्ति शौर्य अभियान की मोटर साइकिल रैली जो सुकना, सिलिगुड़ी से 15 तारीख को रवाना हुई थी, आज सिक्किम के रेनॉक, जुलुक, बाबा मंदिर, नाथुला की यात्रा तय करते हुए राजभवन परिसर पहुंची और राज्यपाल गंगा प्रसाद से शिष्टाचार भेंट की।

चीफ ऑफ स्टॉफ-मेजर जेनरल अरविंद यादव ने इस भेंट को सुखद क्षण बताते हुए कार्यक्रम की रूपरेखा संबंधी जानकारी प्रदान की। उन्होंने बताया कि आजादी के अमृत महोत्सव के अंतर्गत उक्त राइड आयोजित की गई है जिसका उद्देश्य उन सभी विभागों को जोड़कर एक मंच प्रदान करना है, जिनके सहयोग से राष्ट्र निर्माण का कार्य हो रहा है। इस रैली में आर्मी ऑफिसर्स, सिक्किम पुलिस, सिक्किम वन विभाग, पर्यटन विभाग, भारतीय तिब्बत सीमा पुलिस, सशस्त्र सिमा बल के जवान शामिल हैं। इनकी कुल संख्या संख्या 20 है।

उन्होंने रॉयल इनफिल्डज को भी धन्यवाद दिया जिन्होंने अपनी मोटर साइकिल इस रैली के लिए प्रदान कराई है। यह रैली आज गुरु दोंगमार होते हुए डोंकिला पास जाएगी। प्राप्त जानकारी के अनुसार डोंकिला पास में आज तक इस तरह की मोटर साइकिल रैली नहीं की गई है।

खराब मौसम के बावजूद बाइकर्स के मजबूत इरादों की सराहना करते राज्यपाल ने कहा कि इस तरह का आयोजन सभी के लिए प्रेरणा का स्रोत है। जवानों को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि दुर्गम क्षेत्र के बावजूद जवान देश के लिए सदा मर-मिटने के लिए तत्पर रहते हैं एवं वे राष्ट्र के सबसे बड़े सपूत हैं। राज्यपाल ने सभी से सदा मिलजुल कर देश के लिए कार्य करने का आह्वान किया।

साल के अंत तक हो सकते हैं जम्मू-कश्मीर विधानसभा चुनाव : राजनाथ सिंह

जम्मू, 18 जून (एजेन्सी)। जम्मू-कश्मीर में इस साल के अंत तक विधानसभा चुनाव हो सकते हैं। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने शुक्रवार को यह जानकारी दी।

जम्मू-कश्मीर में एक समारोह को संबोधित करते हुए, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि जम्मू-कश्मीर में परिसीमन की प्रक्रिया पूरी हो गई है, जिसके बाद हाल ही में विधानसभा सीटों की कुल संख्या 90 हो गई है, जिसमें जम्मू संभाग में 43 और कश्मीर घाटी में 47 सीटें हैं। उन्होंने कहा कि जम्मू कश्मीर में इस साल के अंत तक विधानसभा चुनाव होने की संभावना है।

जम्मू-कश्मीर के दो दिवसीय दौरे पर आए रक्षा मंत्री ने गुरुवार को नियंत्रण रेखा (एलओसी) पर अग्रिम चौकियों (फॉरवर्ड

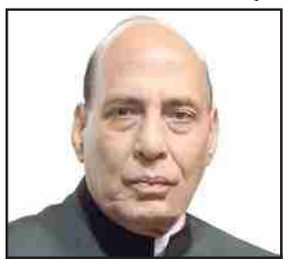

पॉजिशन) का दौरा करने के अलावा वरिष्ठ फील्ड कमांडरों के साथ बातचीत भी की।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक : सत्येन्द्र नाथ सिंह एवं मुद्रक: नूतन वर्मा द्वारा प्राइम प्रिंटर्स, प्रिमुला कॉटेज, चर्च रोड, गंगटोक से मुद्रित एवं रतना निवास, मेट्रो प्वाइंट, नेशनल हाईवे 10, गंगटोक (पूर्व सिक्किम) से प्रकाशित।
सम्पादक - सत्येन्द्र नाथ सिंह, कार्यकारी सम्पादक - अश्विनी आनंद, मोबाइल नं. : 9474355832, 9609024017, फोन नं. : 03592-204174, पोस्टल रजि. सं. : WB/SKM/110/07-09, e-mail ID : anugamini@gmail.com